राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,14जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -346 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बीएसएफ ने पंजाब में 12 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया

चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे अमृतसर सेक्टर में 12 किलोग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया। संदेह जताया जा रहा है कि मादक पदार्थ हेरोइन है। बीएसएफ की 88 वीं बटालियन के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्र में लगभग 13 फुट लंबे पीवीसी पाइप में यह मादक पदार्थ बरामद हुआ। बीएसएफ ने कहा कि यह देश विरोधी तत्वों की करतूत है।

बीएसएफ ने जम्मू में भारत-पाक सीमा के पास सुरंग का पता लगाया

जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बार फिर पाकिस्तान की ओर से आतंकवादियों की घुसपैठ के नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया है। बीएसएफ ने बुधवार को जम्मू के सांबा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नीचे एक सुरंग का पता लगाया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने कहा, बीएसएफ के मुस्तैद जवानों ने जम्मू के सांबा सेक्टर में एक सुरंग का पता लगाया है, जिससे पाकिस्तान के नापाक मंसूबे नाकाम हो गए हैं। यह पहली बार नहीं है, जब जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ द्वारा एक ट्रांस बॉर्डर सुरंग का पता लगाया गया है। पिछले साल 22 नवंबर को बीएसएफ और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने सांबा जिले में बॉर्डर आउटपोस्ट रीगल क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की सीमा के भीतर और भारतीय सीमा से बाहर निकलने वाली एक सुरंग का पता लगाया था। 29 अगस्त, 2020 को बीएसएफ ने जम्मू के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बसंतर में 20 फीट लंबी ट्रांस बॉर्डर सुरंग का पता लगाया। सुरंगों का पता लगाने के साथ सतर्क बीएसएफ सैनिकों ने आतंकवादियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया है। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान के सीमावर्ती गांवों में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में नियमित रूप से जानकारी मिलती रही है, जिससे भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की आशंका रहती है। इसलिए बीएसएफ के जवान भारत में घुसपैठ करने की देश विरोधी तत्वों की हर साजिश को लेकर मुस्तैद रहते हैं। पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ को लेकर विभिन्न खतरों का आकलन करने के बाद अब जम्मू क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर बीएसएफ ने इसे नाकाम करने के लिए कई अभिनव (इनोवेटिव) उपाय किए हैं। इस प्रक्रिया के तहत सभी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर बीएसएफ की ओर से नियमित रूप से सुरंग-विरोधी अभ्यास किए जाते हैं।

भारतीय वायुसेना को मिलेंगे 83 तेजस विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने बुधवार को भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस लड़ाकू विमानों को खरीदने की मंजूरी दे दी है।

चीन और पाकिस्तान से सीमा विवाद के बीच केंद्र सरकार ने वायुसेना के लिए 48 हजार करोड़ रुपये में 83 तेजस फाइटर जेट खरीदने का रास्ता साफ कर दिया है। सीसीएस ने भारतीय वायुसेना के लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 1ए तेजस फाइटर जेट खरीद के लिए मंजूरी दी है। सीसीएस ने एलसीए तेजस के बेड़े को मजबूत करने के लिए लगभग 48,000 करोड़ रुपये के सबसे बड़े स्वदेशी रक्षा खरीद सौदे को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, यह सौदा भारतीय रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए एक गेम चेंजर होगा। एलसीए-तेजस आने वाले वर्षों में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ बनने जा रहा है। एलसीए-तेजस में बड़ी संख्या में नई प्रौद्योगिकियां शामिल हैं, जिनमें से कई का भारत में कभी प्रयास नहीं किया गया था। एलसीए-तेजस की स्वदेशी सामग्री एमके 1ए संस्करण में फिलहाल 50 प्रतिशत है, जिसे 60 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस को स्वदेशी तौर पर एयरक्राफ्ट डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) द्वारा डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) के तहत डिजाइन किया गया है और इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की ओर से निर्मित किया गया है। एचएएल ने अपनी सेकंड लाइन मैन्यूफैक्चरिंग सेट अप की शुरुआत नासिक और बेंगलुरू डिविजन में शुरू कर दी है। रक्षा मंत्री ने कहा, आज लिए गए निर्णय से मौजूदा एलसीए पारिस्थितिकी तंत्र का काफी विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने के लिए ये कदम काफी अच्छा है। भारतीय वायुसेना में 42 स्क्वाड्रन होने चाहिए। एक स्क्वॉड्रन में कम से कम 18 फाइटर जेट होते हैं। भारत के पास अभी केवल 30 स्क्वॉड्रन है। एचएएल से 83 तेजस मिलने के बाद तीन से चार स्क्वॉड्रन में इजाफा होगा। वहीं मौजूदा समय भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों तरफ से खतरा है। इसलिए परिस्थितियों को देखते हुए और भी फाइटर जेट खरीदने की जरूरत है, ताकि समय रहते स्क्वॉड्रन की कमी को पूरी की जा सके। बता दें कि पिछले साल मार्च महीने में रक्षा मंत्रालय ने 83 तेजस मार्क 1ए वर्जन तेजस विमान की खरीदारी की बात पर मुहर लगाई थी। अब प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली सीसीएस ने इस सौदे को मंजूरी प्रदान कर दी है।

कर्नाटक के सात विधायकों ने कैबिनेट पदों को सुरक्षित किया

बेंगलुरू (एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने बुधवार को कहा कि उन्होंने सात विधायकों के नाम राज्यपाल वजुभाई वाला के पास भेजे हैं, जिसमें चार बार के विधायक मुरुगेश निरानी और सुलिया विधानसभा से छह बार के विधायक एस. अंगारा भी शामिल हैं। येदियुरप्पा ने यहां राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भाग लेने से पहले मीडिया के साथ अपनी छोटी बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने राज्यपाल के पास सात नाम भेजे हैं, जिनमें उमेश कट्टी, अरविंद लिम्बावली, एम.टी.बी. नागराज, आर. शंकर, सी.पी. योगेश्वरा, मुरुगेश निरानी और एस. अंगारा शामिल हैं। इन विधायकों को राजभवन में अपराह्न 3.50 बजे राज्यपाल द्वारा गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। सूत्रों के अनुसार, कट्टी को पार्टी के नेताओं ने लिंगायत कोटे के तहत चुना है, लिंबावली को मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार अस्थिर करने की योजना और निष्पादन के लिए पुरस्कृत किया गया है। सी.पी. योगेश्वरा को भी कर्नाटक में कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन सरकार को गिराने के लिए येदियुरप्पा और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करने का पुरस्कार मिला है। नागराज और शंकर 17 अन्य विधायकों के साथ 2019 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे। इन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करना लगभग तय था। चार बार के विधायक और पूर्व उद्योग मंत्री निरानी और छह बार के भाजपा विधायक व संघ परिवार के वफादार एस. अंगारा छुपे रुस्तम साबित हुए हैं, जिन्होंने चार माह से राज्य में चल रही सभी अटकलों पर विराम लगा दिया।

एयरलाइंस ने 11 शहरों में भारत बायोटेक की कोवैक्सीन पहुंचाई

नई दिल्ली। घरेलू एयरलाइंस ने बुधवार को फार्मा प्रमुख भारत बायोटेक को 11 शहरों में कोविड-19 कोवैक्सीन वैक्सीन की शिपिंग के लिए लॉजिस्टिकल सपोर्ट प्रदान किया। इसी के मद्देनजर एयर इंडिया ने हैदराबाद से दिल्ली तक वैक्सीन की पहली खेप पहुंचाई। इसके अलावा सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कोविशील्ड वैक्सीन को पूरे देश में ले जाने के एक दिन बाद यह ऑपरेशन किया गया है। फार्मा के प्रमुख ने एक बयान में कहा, 55 लाख खुराक के लिए सरकारी खरीद आदेश मिलने के बाद भारत बायोटेक ने गनवरम, गुवाहाटी, पटना, दिल्ली, कुरुक्षेत्र, बैंगलोर, पुणे, भुवनेश्वर, जयपुर, चेन्नई और लखनऊ में वैक्सीन के पहली खेप को भेज दिया। वहीं कुछ शिपमेंट संबंधित शहरों में पहुंच चुके हैं, जबकि अन्य को आज शाम तक वितरित किया जाएगा। बयान में कहा गया है, कोवैक्सीन एक अत्यधिक शुद्ध और असक्रिय दो खुराक वाली सार्स-कोव-2 वैक्सीन है, जिसे वेरो सेल मैन्यूफैक्चरिंग प्लेटफॉर्म में निर्मित किया गया है। वेरो सेल एक उत्कृष्ट सुरक्षा ट्रैक के साथ 30 करोड़ से अधिक खुराक तैयार करने का रिकॉर्ड बना चुकी है

विज्ञान में सहयोग पर भारत-यूएई संधि को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दोनों जल्द ही अरब सागर और ओमान सागर में सुनामी के कारण संभावित सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को नुकसान से बचने के लिए जलवायु सूचना सेवाओं और उष्णकटिबंधीय चक्रवात के पूर्वानुमान पर केंद्रित अनुभव एवं अनुसंधान का आदान-प्रदान शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और संयुक्त अरब अमीरात के नेशनल सेंटर ऑफ मेट्रोलॉजी के बीच विज्ञान एवं तकनीकी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन को मंजूरी दे दी। मौसम संबंधी सेवाएं अर्थव्यवस्था के मौसम पर निर्भर क्षेत्रों की कार्यकुशलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान करती हैं। इसके साथ ही वे क्षेत्र की आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण कारकों-कृषि, परिवहन और जल आदि जैसे मौसम पर निर्भर आर्थिक क्षेत्रों को उत्पन्न खतरे का भी प्रबंधन करती हैं। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत जानकारी, आंकड़ों एवं मौसम विज्ञान, भूकंप विज्ञान और समुद्र विज्ञान से संबंधित उत्पादों जैसे रडार, उपग्रह और ज्वार मापने वाले उपकरण तथा भूकंप और मौसम विज्ञान केंद्रों के संबंध में आदान-प्रदान का प्रस्ताव है। दोनों देश जलवायु सूचना सेवाओं पर केंद्रित अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के उद्देश्य के लिए अपने वैज्ञानिकों, अनुसंधान विद्वानों और विशेषज्ञों के अनुभव का आदान-प्रदान करेंगे। भारत और यूएई उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के पूर्वानुमान के लिए उपग्रह डेटा उपयोग पर अनुभव साझा करेंगे। दोनों देश इसके संबंध में वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान भी करेंगे। दोनों पक्ष आपसी सहमति से समुद्री जल पर समुद्र विज्ञान पर्यवेक्षण नेटवर्क स्थापित करेंगे। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के पूर्वोत्तर क्षेत्र को प्रभावित करने वाला ओमान सागर और अरब सागर में उठने वाली सुनामी के अधिक विश्वसनीय और तीव्र पूर्वानुमान के लिए सुनामी मॉडल के बारे में अनुसंधान की विशिष्ट क्षमता के निर्माण में भी सहयोग साझा किया जाएगा।

तीसरा ट्रायल होने तक कोवैक्सीन टीकाकरण रोकें : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने जहां एक ओर हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के कोविड टीकाकरण अभियान के लिए कमर कस ली है, वहीं विपक्षी कांग्रेस ने सरकार को आगाह किया है कि चूंकि कोवैक्सीन टीके का तीसरे चरण का ट्रायल नहीं पूरा हुआ है, इसलिए टीकाकरण अभियान अभी शुरू नहीं होना चाहिए। भारत के लोग गिनी पिग नहीं हैं। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा, सरकार को तब तक टीकाकरण शुरू नहीं करना चाहिए, जब तक कि उनकी प्रभावकारिता की पूरी तरह पुष्टि न हो जाए और अनिवार्य थर्ड फेज का ट्रायल पूरा न हो जाए, क्योंकि भारत के लोग गिनी पिग नहीं हैं। कांग्रेस की आपत्तियां कोवैक्सीन को लेकर हैं, जिसे आपातकालीन उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है, लेकिन इसकी विश्वसनीयता साबित करने के लिए तीसरे चरण का ट्रायल अभी पूरा नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार लोगों को विकल्प नहीं दे रही है। तिवारी ने ट्वीट किया, कल तक एनडीए/भाजपा ने दावा किया था कि कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई है। मगर आज प्राप्तकर्ता को अपनी पसंद का वैक्सीन लेने की अनुमति नहीं है। एनडीए/भाजपा भारतीयों में से गिनी पिग चुन रही है, एट द रेट डॉ. हर्षवर्धन। क्या लॉन्च करना ही कोवैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल है? भारत बायोटेक के कोवैक्सीन की पहली खेप बुधवार को हैदराबाद से दिल्ली पहुंची। भारत बायोटेक का लक्ष्य शुरुआती चरण में दिल्ली, बेंगलुरु, लखनऊ, चेन्नई और जयपुर सहित 11 शहरों में लगभग 55 लाख टीके लगाने का है।

सशस्त्र बलों में व्यभिचार मामला : सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है कि आईपीसी के तहत व्यभिचार को कम करने के लिए 2018 का शीर्ष अदालत का फैसला सशस्त्र बलों पर लागू नहीं होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने मामले में बुधवार को नोटिस जारी किया। केंद्र की याचिका में कहा गया है कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 497 के तहत व्यभिचार को कम करने के लिए 2018 के शीर्ष अदालत के फैसले को सशस्त्र बलों पर लागू नहीं किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और के.एम. जोसेफ के साथ ही न्यायमूर्ति आर.एफ. नरीमन की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने बुधवार को केंद्र सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया है। साथ ही इसकी सुनवाई पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ में कराने के लिए मामले को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एस.ए. बोबडे के पास भेजा है। शीर्ष अदालत ने तब उल्लेख किया था कि यह केवल तलाक के लिए एक आधार हो सकता है। दरअसल, केंद्र का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा व्यभिचार पर दिए गए फैसले को सशस्त्र बलों पर लागू नहीं किया जाना चाहिए, जहां एक कर्मचारी को सहकर्मी की पत्नी के साथ व्यभिचार करने के लिए असहनीय आचरण के आधार पर सेवा से निकाला जा सकता है। याचिकाकर्ता रक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधित्व कर रहे अटॉर्नी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने अदालत से कहा कि अधिकारियों के जीवनसाथी के साथ व्यभिचार करने के कारण सशस्त्र बल के जवानों को सेवा से बाहर किया जा सकता है। केंद्र ने दलील दी कि व्यभिचार पर शीर्ष अदालत के फैसले से सशस्त्र बलों के भीतर अस्थिरता पैदा हो सकती है, क्योंकि रक्षा कर्मियों को विभिन्न तरह की परिस्थितियों में काम करना होता है। केंद्र ने जोर दिया कि सुरक्षाकर्मी अपनी सेवा के दौरान कई बार सीमाओं पर या अन्य दूर-दराज के क्षेत्रों में तैनात होते हैं, जिस कारण वे लंबे समय तक अपने परिवार से दूर रहते हैं। एक संक्षिप्त सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति नरीमन ने कहा कि इस मामले को पांच-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष रखा जाएगा।

गोबर से होगा देश का कायाकल्प, कसाई के हाथ नहीं बिकेगी गाय : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्यमंत्री प्रताप चंद्र सारंगी का कहना है कि गोबर का इस्तेमाल औद्योगिक उत्पादों में किए जाने से भारत का आर्थिक कायाकल्प हो सकता है और इससे गायें कसाई के हाथ जाने से बच सकती हैं। केंद्रीय मंत्री प्रताप चंद्र सारंगी ने आईएएनएस को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि, गाय के गोबर का उपयोग औद्योगिक उत्पादों में किए जाने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल सकती है और दूध नहीं देने वाली गायों और बैलों को कत्लखाना जाने से बचाया जा सकता है। खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा गाय के गोबर से पेंट बनाए गए खादी प्राकृतिक पेंट की खासियत और इससे पशुपालकों को होने वाले फायदे का जिक्र करते हुए सारंगी ने आईएएनएस से कहा, इस पेंट का मुख्य कच्चा माल गोबर है और गोबर होने के कारण यह कीटाणुनाशक है। एंटी फंगल और एंटी बैक्टीरियल गुणों से युक्त है। साथ ही, यह सस्ता भी है और पूरे देश में इसके उद्योग विकसित होने से गोबर का उपयोग उद्योग में होने से पशुपालकों को इसका लाभ मिलेगा। प्रताप चंद्र सारंगी ओडिशा के बालासोर से सांसद हैं और वह केंद्र सरकार में पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी राज्यमंत्री भी हैं। गोबर से बने पेंट के बारे में उन्होंने बताया कि इस दिशा में शोधकार्य काफी समय से चल रहा था और एक-दो संस्था ने इसे पहले पेश भी किया था, लेकिन प्रयोगशालाओं में शोध करके इसका प्रमाणीकरण करने के बाद अब प्रस्तुत किया गया है जो आर्गेनिक व नेचुरल पद्धति से तैयार किया गया है और इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता है। उन्होंने कहा, पूरे देश में गांव स्तर पर हम इसके हजारों उद्योग लगाएंगे, क्योंकि कम खर्च पर यह उद्योग लगाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री सारंगी ने कहा कि गांव-गांव में उद्योग लगने से महिलाओं और पुरुषों को रोजगार मिलेगा जिससे गांव के लोगों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी। उन्होंने कहा कि आर्गेनिक पेंट होने के कारण यह इकोफ्रैंडली है और यह जल्द ही पूरे भारत के बाजार पर अपनी पकड़ बनाएगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी यह एक भारत का चमत्कारी ब्रांड बनेगा। खादी प्राकृतिक पेंट को डिस्टेंपर पेंट और प्लास्टिक इमल्शन पेंट के रूप में पेश किया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को खादी प्राकृतिक पेंट लांच किया। इस मौके पर प्रताप चंद्र सारंगी भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री सारंगी ने आईएएनएस से बातचीत में इसी गुणवत्ता के संबंध में कहा, किसी भी प्रयोगशाला में इसकी जांच करने को लेकर हम तैयार हैं। सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाले प्रताप चंद्र सारंगी गांव, गरीब और किसानों की समृद्धि के समर्थक हैं। उनका कहना है कि गोबर और गोमूत्र से उत्पाद तैयार किए जाने से पशुपालकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, गोमाता को कामधेनु बताया गया है। जो बूढ़ी गाय दूध नहीं देती है उसके गोबर और गोमूत्र से उत्पाद बनाए जाने से एक परिवार का भरण-पोषण हो सकता है। एक गाय या बैल के गोबर और गोमूत्र से साल में 40,000 से 50,000 रुपये की आमदनी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह दूध नहीं देने वाली गाय भी आर्थिक प्राणी साबित हो सकती है, जिसके गोबर और गोमूत्र से सैकड़ों उत्पाद बनाए जा सकते हैं और उनसे देश का आर्थिक कायाकल्प हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हल की तलाश में

अगले आदेश तक तीनों कृषि कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने और इनसे जुड़ी आपत्तियों पर चर्चा के लिए चार सदस्यीय समिति के गठन का सुप्रीम कोर्ट का फैसला सराहनीय है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि, आंदोलित किसानों के संगठनों ने इस समिति में शामिल सदस्यों के नाम पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसके आगे उपस्थित न होने और आंदोलन जारी रखने का भी एलान किया है। बहरहाल, शीर्ष अदालत के पूर्व के संकेतों और सोमवार की टिप्पणियों से उसके रुख का साफ पता चल गया था, पर सरकार अपनी भूमिका से पीछे हटने को तैयार नहीं हुई। वह चाहती, तो इस पूरे प्रकरण को एक लोकतांत्रिक मोड़ देते हुए अपने लिए उदार सरकार का श्रेय अर्जित कर सकती थी, मगर आंदोलन की शुरुआत में ही दोनों पक्षों ने ऐसा रुख अपना लिया कि बातचीत एक औपचारिकता भर रह गई। नौवें दौर में इस बातचीत का पहुंचना ही यह बता देता है कि वार्ता में लचीलापन किसी पक्ष ने नहीं दिखाया। निस्संदेह, ऐसी किसी भी स्थिति में सरकार की भूमिका बड़ी होती है, और उसी के कंधे पर अपेक्षाओं का भार भी सर्वाधिक होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारें अपने इकबाल से चला करती हैं और शायद यही वजह है कि केंद्र सरकार के लिए अब अपने कदम को पीछे खींचना मुश्किल है। कृषि क्षेत्र में सुधारों से संबंधित इन कानूनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता वह बढ़-चढ़कर जताती रही है। लेकिन यह दायित्व भी उसी का है कि इन कानूनों के फायदों को लेकर वह किसानों को आश्वस्त करे और इनमें उनका भरोसा बहाल करे। कोर्ट ने इसी अपेक्षा से सरकार को इतना वक्त भी दिया था। शीर्ष अदालत ने इन कानूनों को कुछ समय के लिए स्थगित करके दोनों पक्षों को यह मौका दिया है कि वे इस दौरान संवेदनशील नजरिया रखते हुए कोई सर्वमान्य हल तलाश सकें। किसी भी लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को अपनी असहमति जताने और शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक हासिल होता है। पिछले करीब पचास दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसानों ने धैर्य के साथ अब तक अपने नागरिक धर्म का निर्वाह किया है और कहीं कोई उपद्रव नहीं होने दिया। इस कंपकंपाती सर्दी में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर रात बिताते देखकर देश का हरेक संवेदनशील नागरिक दुखी है और यही दुख सरकार व प्रधान न्यायाधीश की अपील में भी ध्वनित हुआ कि उन्हें फौरन घर भेजा जाए। हरेक आंदोलन की एक मीयाद होती है। किसानों को अब अदालत की कोशिश पर भरोसा करना चाहिए और उन्हें लौट जाना चाहिए। आखिरकार अदालत ने उनकी चिंताओं को समझने के लिए ही इस समिति का गठन किया है। उन्हें यह भी समझने की जरूरत है कि शीर्ष अदालत इस समिति की रिपोर्ट के आधार पर अपने अंतिम निर्णय पर पहुंचेगी। ऐसे में, उनके पास एक बेहतर मौका है कि वे अपनी पुरानी जिद छोड़कर इस समिति के सामने अपनी आपत्तियों को मजबूती से रखें, ताकि न्यायालय एक मुनासिब फैसले तक पहुंचे। किसानों को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उनका कोई भी अराजक प्रदर्शन न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया में उनके पक्ष को कमजोर करेगा, बल्कि आम लोगों में उनके प्रति अब तक जो सहानुभूति है, उसे भी चोट पहुंचाएगा।

जीवंत लोकतंत्र को चाहिए जाग्रत विपक्ष

गुरबचन जगत

हालांकि, सात दशकों का समय किसी मुल्क और लोगों के इतिहास में एक छोटा काल होता है, किंतु ऐसा जो देश की प्रस्थान धारा बदल दे-एक ऐसा प्रस्थान, जिसका आगाज वर्ष 1947 में जवाहरलाल नेहरू के कालजयी शब्दों के साथ हुआ था - 'ट्रस्ट विद डेस्टिनी'। किंतु पिछले एक दशक से जो कुछ हमने देखा, वह देश की राजनीतिक, सामाजिक और संसदीय व्यवस्था वाली मौलिक सोच से एकदम विपरीत है। यह बदलाव इतनी तेजी से हुआ है कि सहसा विश्वास नहीं हो पा रहा है। परंतु क्या यह वाकई इतना तेज है? या हम उस वक्त सोते रहे जब 1970-80 के दशकों में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और सत्ता के लालच का बीज बोया जा रहा था जो अब बड़ा होकर अमरबेल की तरह हमें जकड़ चुका है और इस दौरान हमने अपनी धुन के पक्के एक ऐसे राजनीतिक, सामाजिक संगठन को मौका दे डाला जो देश पर अपनी एकतरफा ध्रुवीयकरण वाली विचारधारा थोपना चाहता है। आज हमारे सम्मुख ऐसा न तो कोई राष्ट्रीय राजनीतिक दल है, न ही सामाजिक संगठन जो हमें एक राह विशेष पर ले जाने को आतुर शक्तियों के सामने खड़ा हो पाए और वह रास्ता हमारे पूर्वजों की परिकल्पना से मेल नहीं खाता। किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में वैकल्पिक विचारों का होना अनिवार्य है, जरूरत पड़ने पर उन पर संसद, मीडिया और सड़कों तक पर संवाद होना चाहिए। सहमति वाला 'स्वर्णिम मध्य मार्ग' बनना केवल खुले संवाद के जरिए संभव है और इस 'मानक' की चाहना किसी भी ऐसे समाज के लिए सरमाया है जो मानवीय विचारों और वजूद की अनेकता एवं भिन्नता का हामी है, ऐसा समाज जो सबकी साझेदारी से सद्भाव बनाना चाहता है। अगर 1947 और उसके बाद के कुछ दशकों को याद करें तो देश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एकमात्र मुख्य राजनीतिक दल था, जिसका जन्म स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हुआ था। आजादी के आंदोलन के कद्दावर नेता कांग्रेस के बड़े मशालवाहक रहे, उस वक्त केंद्र सरकार में बड़े नेताओं से परिपूर्ण नक्षत्र-मंडल था, जिसमें जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, मौलाना आज़ाद, वल्लभ भाई पटेल, सी. राजगोपालाचारी, वाईबी चव्हाण जैसे नामवर कुछेक थे। इसी तरह राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बात करें तो गोविन्द वल्लभ पंत, डॉ. बीसी रॉय, के. कामराज, एन. संजीवा रेड्डी और बीजू पटनायक जैसी हस्तियां थीं। ये मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री तक को अपने पत्रों की शुरुआत 'प्रिय जवाहर' जैसे अनौपचारिक मित्रवत संबोधनों से करने का दम रखते थे। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कांग्रेस के पार्टी प्रधान काफी मजबूत हुआ करते थे और उन्हें निर्णय लेने की काफी छूट थी। प्रधानमंत्री, काबीना मंत्री, मुख्यमंत्री और पार्टी प्रदेशाध्यक्ष एक इकाई के रूप में मिलजुलकर काम करते थे और किसी तरह की असुरक्षा की भावना नहीं थी। हालांकि उस वक्त कोई महत्वपूर्ण विपक्षी दल नहीं था और नेहरू बहुत ज्यादा लोकप्रिय एवं करिश्माई व्यक्तित्व के धनी नेता थे, अगर वे चाहते तो इसके बूते पर अपने लिए संविधान में तयशुदा शक्तियों से कहीं ज्यादा अपने हाथों में कर लेते, परंतु वे परम्परागत लोकतांत्रिक संसदीय व्यवहार को मानने के हामी थे। महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लेते वक्त वे देश, काबीना, मुख्यमंत्रियों और लोगों को भरोसे में लिया करते थे। उन्हें सूबों में बतौर मुख्यमंत्री या पार्टी प्रधान 'अपना बंदा' थोपने की जरूरत कभी महसूस नहीं हुई। इसी तरह जब विपक्षी दल भी धीरे-धीरे फलने-फूलने लगे तो उन्होंने भी संसदीय बहसों या जनसभाओं में भाषणों के सिवा ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे विकास बाधित हो। मीडिया और न्यायपालिका को पूरी छूट थी और काम करने की पूरी स्वतंत्रता थी। यह गणतांत्रिक लोकनीति, संवेदनशील एवं भ्रष्टाचार विहीन नेतृत्व का ही नतीजा था कि हाल ही में स्वतंत्र हुआ एक राष्ट्र आधुनिक विश्व के बाकी मुख्य देशों में अपनी जगह बनाने लगा था। रजवाड़ों का विलय कर प्रजातांत्रिक बनाना, शिक्षा और स्वास्थ्य को तरजीह देते हुए देश में एम्स, आईआईटी और आईआईएम का निर्माण, परमाणु ऊर्जा विभाग की स्थापना और इस पर ध्यान देना, संविधान अंगीकार करना, पंचवर्षीय योजनाएं बनाना इत्यादि अनेकानेक ऐसे काम किए गए, अगर गिनाने बैठें तो सूची बहुत लंबी होगी। नेहरू और उनकी टीम ने बहुत-सी उपलब्धियां हासिल की थीं। परिदृश्य में इंदिरा गांधी की आमद से चीज़ें बदलना शुरू हुईं। बेशक वे खुद भी एक लोकप्रिय और करिश्माई व्यक्तित्व की धनी थीं, लेकिन उनके अंदर कहीं असुरक्षा की भावना भी थी। उनकी काबीना, जिसे 'किचन कैबिनेट' (चहेतों से भरी) कहना ज्यादा उचित होगा, के सदस्य वे जल्दी-जल्दी बदल दिया करती थीं। पहला मौका मिलते ही इंदिरा ने कांग्रेस का दोफाड़ कर दिया और सिंडीकेट और इसके सदस्यों को निरर्थक बना डाला। इंदिरा ने ही सूबों में कमजोर मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष थोपने वाली परंपरा की शुरुआत की थी। कांग्रेस संसदीय दल के नेता और प्रदेशाध्यक्ष महज रबर की मुहर बनकर रह गए, खासकर वर्ष 1971 के बाद। यह गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी उस वक्त तक भी काडर रहित आंदोलन की तरह थी जबकि भारतीय जनसंघ और वामदल काडर-आधारित राजनीतिक दल थे। इस तरह का तंत्र होने के नाते कांग्रेस पार्टी राज्यों और केंद्र में विजय पाने को पूरी तरह प्रधानमंत्री के करिश्मे पर निर्भर होकर रह गई। इमरजेंसी की घोषणा के बाद संजय गांधी का उद्भव हुआ, साथ ही कामकाज का तरीका और ज्यादा अधिनायकवादी हो गया। सरकार एवं पार्टी मशीनरी पर एकाधिकार वाली पकड़ बना दी गई। मुख्यमंत्री, पार्टी प्रदेशाध्यक्ष और काबीना मंत्रियों की हैसियत मात्र 'मिट्टी के माधो' वाली रह गई। इस पूरे काल के दौरान भाजपा लगातार उन्नति की ओर बढ़ने लगी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मदद से गौर करने लायक शक्ति बनकर उभरी। कांग्रेस की बनिस्बत भाजपा के पास पायेदार, अनुशासित और प्रेरित काडर होने के अलावा अपनी एक विशेष किंतु स्पष्ट विचारधारा भी थी। पार्टी को इन सबका फायदा मिला और वह वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में मिलीजुली सरकार बनाने में सफल रही। इस स्थिति में भी वह कांग्रेस की अपेक्षा ज्यादा लाभ ले गई। जब भी भाजपा की सरकार बनी, उसने अपने आधार को सुदृढ़ किया और प्रशासन, मीडिया और न्यायपालिका पर अपनी पकड़ मजबूत की। उसने व्यापारिक एवं कॉर्पोरेट जगत से अच्छे संबंध कायम किए, जिनका फायदा आगे चलकर मिला। वहीं, कांग्रेस अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने में विफल रही, बल्कि तथ्य तो यह है कि इस ओर प्रयास ही नहीं किए गए, नतीजतन चुनावी जीत के लिए वह पूरी तरह 'गांधियों' पर निर्भर होकर रह गई। दूसरी ओर भाजपा-आरएसएस ने काडर, विचारधारा और बेहतर नेतृत्व पर आधारित एक सुचारु चुनावी-विजय तंत्र विकसित कर लिया। परिदृश्य पर करिश्माई व्यक्तित्व वाले मोदी के आगमन के साथ उक्त चुनावी मशीनरी के बूते न सिर्फ 2014 से 2019 के आम चुनावों में बल्कि राज्य विधानसभाओं में चकाचौंध करने वाली जीत हासिल की। मौजूदा परिदृश्य की बात करें तो परेशानी इस बात से नहीं है कि कोई एक दल सत्ता में है बल्कि चिंता का कारण यह है कि देश में सशक्त विपक्ष की कमी है, जिसके अभाव में सत्तापक्ष के अनेकानेक बेजा निर्णय जनता को भुगतने पड़े हैं। आज बहुत बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक-जो अक्सर मौन रहते हैं-उन्हें एक वैकल्पिक विचारधारा की फौरी जरूरत है, वे कुछ अलग सुनना चाहते हैं, वैसा नहीं कि उन्हें क्या खाना-पीना चाहिए या किससे प्रीत लगाना सही होता है या फिर कैसे कपड़े पहने जाएं, किस धर्म को अपनाया जाए, अपनी जमीन-जायदाद के साथ क्या करना होगा इत्यादि-इत्यादि। अपने स्वतंत्र विचार व्यक्त करने के जुर्म में हम में से किसी को सलाखों के पीछे न धकेला जाए, न ही विरोध की आवाज पर देशद्रोह का ठप्पा लगाया जाए। संक्षेप में, हम सब एक स्वतंत्र स्त्री-पुरुष का जीवन जीना चाहते हैं, ऐसी जिंदगी जो शांतिपूर्ण माहौल में व्यतीत हो, न कि डर से भरी। दरकार है एक मजबूत और जाग्रत विपक्ष की, जो एक जीवंत लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। एक गणतंत्र में जनता के मुद्दों पर संवाद किसी करिश्माई नेता के मुख से न होकर या फिर चीख-चीखकर भावनाएं भड़काने वाले किसी मीडिया एंकर के मुंह से न निकलकर, सांसदों द्वारा उठाया जाए जो स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक भलाई, पर्यावरण एवं सुरक्षा जैसे सही विषय उठाएं। देश के भविष्य के लिए किसी राजनीतिक दल के पास क्या ठोस रूपरेखा है, इसको लोगों के सामने प्रस्तुत करके ही वह मजबूत विपक्ष बन सकता है।

आज के ट्वीट

विरोध

वंदेभारत ट्रेन पर पथराव, टेलिकॉम 5जी का विरोध और भारतीय वैक्सीन का बहिष्कार? यह सब गतिविधियाँ किसान आंदोलन के नाम पर ऐसे लोगों को कैसे माने किसान

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

क्या चुनें?

सद्गुरु

आप की लायकी या कीमत क्या है यह सिर्फ इस दृष्टि से नहीं आंकना चाहिए कि आप कितना कमा रहे हैं। आपको क्या जिम्मेदारी दी गई है, इस दृष्टि से इसका आकलन होना चाहिए। आप कितना कमा रहे हैं, यह विशेष बात नहीं है। विशेष बात है कि आप को कुछ नया बनाने, निर्माण करने की स्वतंत्रता है। धन हमारे जीवन का साधन है। अत- इस दृष्टि से आवश्यक है, लेकिन आपको अपना मूल्यांकन हमेशा इस दृष्टि से करना चाहिए कि आप को क्या करने के लिए कहा गया है, किस स्तर की जिम्मेदारी आप को दी जा रही है? कुछ खास, कुछ ऐसा जो वास्तविक रूप से कीमती है। इस संसार में आप जो कुछ भी काम करते हैं, वह सही रूप से तभी कुछ विशेष है, जब आप अन्य लोगों के जीवन पर गहराई से कुछ अच्छा असर डालते हैं। उदाहरण के लिए, आप कोई फिल्म बना रहे हैं, तो क्या आप ऐसी फिल्म बनाना चाहेंगे जो कोई देखना ही न चाहे? ऐसा मकान बनाना चाहेंगे, जिसमें कोई रहना ही न चाहे? ऐसा कुछ भी बनाना नहीं चाहेंगे जिसका कोई दूसरा उपयोग ही न करना चाहे क्योंकि किसी न किसी अर्थ में आप दूसरों के लिए कुछ अच्छा करना चाहते हैं। ध्यानपूर्वक देखें तो आप ऐसा काम करना चाहते हैं जिससे लोगों के जीवन पर अच्छा असर पड़े। कई लोग अपना जीवन कामकाज और परिवार के बीच बांट लेते हैं, उनके लिए कामकाज सिर्फ धन कमाने के लिए है, और परिवार ऐसी जगह है जहां वे दूसरों के जीवन को छूते हैं, उन पर असर डालते हैं, लेकिन यह भाग सिर्फ परिवार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जीवन के प्रत्येक भाग के लिए होना चाहिए। आप कुछ भी करें, उससे लोगों के जीवन पर अच्छा असर पड़ना चाहिए, यही महत्वपूर्ण है। आप कितनी गहराई से दूसरों के जीवन को छूते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप जो कुछ कर रहे हैं, उसमें किस हद तक आप की भागीदारी है। अगर आप अंदर तक गहरे उतरे हैं, तो स्वाभाविक रूप से आप जिस तरह से काम करते हैं, वह अलग ही होगा और आप को आप की योग्यता के अनुसार पैसा मिलेगा। आप को अपनी कीमत हमेशा उस जिम्मेदारी की दृष्टि से आंकनी चाहिए जो लोग आप को देने को तैयार हैं और, जो आप बना रहे हैं, क्या वह आपके लिए और दूसरों के लिए वाकई कीमती, महत्वपूर्ण है?

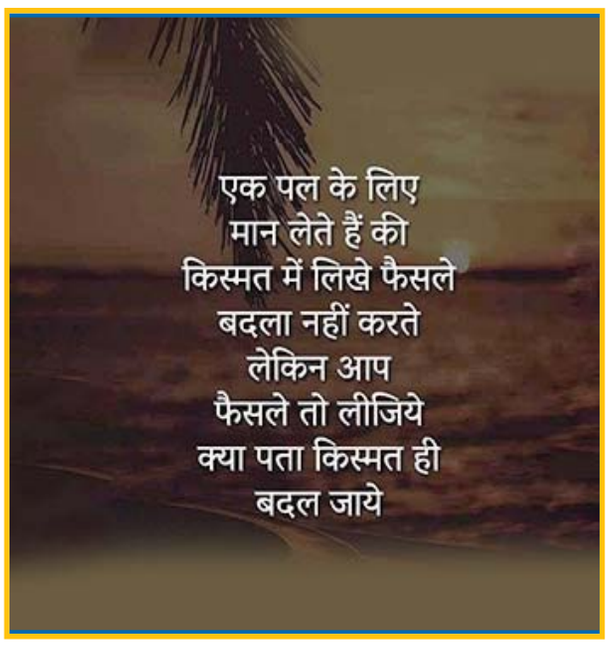

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

मुकाबले को आक्रामक सांचे में ढलती सेना

एल. एस. यादव

चीन की सीमा पर उसके साथ पिछले वर्ष जो तनाव शुरू हुआ था, वह अभी तक समाप्त नहीं हुआ है। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों को माकूल जवाब देकर भारतीय सैनिकों ने अपनी ताकत का परिचय दे दिया है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड से सटी सीमा तक अपनी सैन्य तैयारी बढ़ा रखी है। चुनौती से मुकाबले को सेना के जवानों को मजबूत किया जा रहा है। सीमा की रक्षा करने वाले जवानों को बुलेटप्रूफ जैकेट एवं माइनस डिग्री के तापमान से निपटने के लिए वर्दी जैसी मूलभूत रक्षा जरूरतों से सुसज्जित कर दिया गया है। पूर्वी लद्दाख में खून जमा देने वाली ठंड में सेना के 50000 हजार जवान तैनात हैं। इनकी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए डीआरडीओ ने कई ऐसी जरूरी चीजें विकसित की हैं जो सैनिकों को काफी सहूलियतें प्रदान कर रही हैं। देश के पूर्वी लद्दाख, सियाचिन और कश्मीर जैसे बर्फीले व ऊंचाई वाले इलाकों में सीमा पर ठंड से जूझने वाले सेना के जवानों के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विशेष तोहफा दिया है। इनमें वातावरण को गर्म करने वाला हिम तापक और बर्फ पिघलाने वाला डिवाइस भी है। जिसके जरिए सेना का बंकर माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में गर्म रहेगा। इस डिवाइस को डीआरडीओ की शाखा डिफेंस इंस्टीट्यूट फार फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज ने तैयार किया है। यह डिवाइस सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रिसिटी और केरोसिन तीनों से चल सकती है। इससे 20 वर्ग मीटर के एरिया वाला बंकर या टेंट गर्म रखा जा सकता है। चार्जर कंट्रोलर वोल्टेज को कंट्रोल करने के साथ-साथ पंखे को भी चलाता है। यही पंखा टेंट या बंकर में गर्म हवा फैलाता है। इस डिवाइस से नीले रंग की रोशनी फैलती है जो आक्सीजन लेवल को कम नहीं होने देती। इसीलिए यह डिवाइस किसी तरह के ब्लास्ट के दौरान निकलने वाली जहरीली गैस कार्बन डाईआक्साइड से भी सैनिकों को बचाएगी। सेना ने इस डिवाइस को खरीदने के लिए 420 करोड़ रुपये का आर्डर भी डीआरडीओ को दे दिया है। इसी संस्था ने एक एलोक्रीम भी तैयार की है जो भीषण ठंड से त्वचा को होने वाले नुकसान से बचाती है। इस संस्था ने फ्लेक्सिबिल बोतल और सोलर स्नो मेल्टर भी तैयार किया है। ये दोनों चीजें जवानों को अत्यन्त ऊंचाई वाले इलाकों में पीने का पानी मुहैया कराती हैं। लद्दाख क्षेत्र में सीमा पर टैंक व सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की तैनाती कर दी गई है। सेना की आपूर्ति व्यवस्था में कोई परेशानी न आए, इसके लिए सीमा पर बिछाए सड़कों के जाल ने स्थिति को बेहतर बना दिया है। इस वर्ष कई हथियार परीक्षण के बाद सेना को सौंप दिये जाएंगे। चीन के साथ सीमा पर जारी तनाव के बीच सैन्य ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से सेना को दस दिन से बढ़ाकर अब 15 दिनों के गहन युद्ध हेतु हथियार-गोला बारूद एकत्र रखने की छूट मिली है। सेना की वित्तीय शक्तियों को भी बढ़ाया जा चुका है।

सितम्बर 2020 में निर्णय लिया गया है कि आपातकालीन खरीद की शक्तियों का इस्तेमाल करके सेना के लिए तकरीबन 50000 करोड़ रुपये के नये हथियार खरीदे जाएं। डीआरडीओ की नयी मशीनगन परीक्षण में सफल हो चुकी है। यह गन एक मिनट में 700 राउंड फायर करती है। सेना हथियार और मिसाइल सिस्टम की खरीद कर रही है, जिससे हालात बिगड़ने पर चीन व पाक के मोर्चों पर असरदार कार्रवाई की जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने में 108 रुपये की हानि, चांदी 144 रुपये महंगा

नयी दिल्ली. रुपये के मूल्य में सुधार आने से बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी पर अंकुश लग गया और दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 108 रुपये घटकर 48,877 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 48,985 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी भी इस दौरान 144 रुपये की तेजी के साथ 65,351 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी जो इससे पिछले कारोबारी सत्र में 65,207 रुपये प्रति किलोग्राम थी। बुधवार को रुपया 10 पैसे सुधरकर 73.15 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, सोना मजबूत होकर 1,857 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.48 डॉलर प्रति औंस पर अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''डॉलर में गिरावट आने के कारण (अंतरराष्ट्रीय बाजारों में) सोने की कीमतों में तेजी रही।''

पेटीएम मनी एफएंडओ ट्रेडिंग की पेशकश करेगी, 1.5 लाख करोड़ रुपये के दैनिक कारोबार का लक्ष्य

नयी दिल्ली. प्रमुख फिनटेक कंपनी पेटीएम के पूर्णस्वामित्व वाली पेटीएम मनी ने बुधवार को कहा कि वह अपने मंच पर वायदा और विकल्प कारोबार (एफएंडओ) की पेशकश करेगी और उसका लक्ष्य अगले 18-24 महीनों में 1.5 लाख करोड़ रुपये के दैनिक कारोबार के लक्ष्य को हासिल करना है। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने ऑनलाइन पेशकश के दौरान कहा कि शेयर, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, आईपीओ, एनपीएस और डिजिटल गोल्ड के लिए सेवाएं मुहैया कराने वाला यह मंच 10 करोड़ भारतीयों को वित्तीय सेवाएं मुहैया कराने पर धयान देगा। उन्होंने कहा, ''हमारा मिशन 10 करोड़ भारतीयों के लिए वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना है और इस पेशकश के साथ इसमें तेजी आएगी। यह उत्पाद मोबाइल का इस्तेमाल करने वालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और हमारा विश्वास है कि इस सरल और सस्ते उत्पाद से छोटे कस्बों और शहरों तक पहुंचने में मदद मिलेगी।''

मोतीलाल ओसवाल रियल एस्टेट पांचवें रियल्टी फंड के लिए 800 करोड़ रुपए जुटाएगी

नई दिल्ली: निजी इक्विटी फर्म मोतीलाल ओसवाल रियल एस्टेट (मोर) ने बुधवार को कहा कि वह सात प्रमुख शहरों में रियल्टी परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए अपने पांचवें फंड के तहत 800 करोड़ रुपए तक जुटाएगी। मोर के निदेशक और सीईओ शरद मित्तल ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह फंड मुख्य रूप से सात शहरों- दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और अहमदाबाद में बनने वाली आवासीय परियोजनाओं में निवेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी हाल में पेश किए गए पांचवे रियल एस्टेट कोष 'इंडिया रियल्टी एक्सिलेंस फंड- 5' के जरिए 800 करोड़ रुपए तक जुटाना चाह रही है। मोर के प्रबंधनाधीन सम्पत्तियां संचयी आधार पर 3,700 करोड़ रुपए से अधिक की हैं। मोर को उम्मीद है कि वह इस पहल में पहला धन मार्च तक जुटा लेगी और छह से नौ महीने में पूरा धन जुटा लिया जाएगा।

MOTILAL OSWAL
Private Equity

टेस्ला का भारत में प्रवेश, पहला पड़ाव बेंगलुरु

नई दिल्ली।

वर्षों के इंतजार और अटकलों के बाद, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने आखिरकार टेस्ला को बेंगलुरु में एक कंपनी के रूप में पंजीकृत करके भारत में प्रवेश कर लिया है। कंपनी रजिस्ट्रार वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, टेस्ला इंडिया मोटर्स एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया गया है और पंजीकृत पता लावेल रोड, बेंगलुरु में है। आरओसी फाइलिंग में कंपनी ने कहा है, टेस्ला ने 8 जनवरी को बेंगलुरु में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के साथ अपनी भारतीय सहायक कंपनी पंजीकृत की, जिसमें 15 लाख रुपये की अधिकृत पूंजी और 1 लाख रुपये की पेड-अप कैपिटल थी। सिटी सेंटर में विभव तनेजा के साथ टेस्ला इंडिया मोटर्स एंड एनर्जी लिमिटेड खोला गया है। वेंकटरंगम श्रीराम और डेविड जॉन फाइंस्टाइन इसके निदेशक होंगे। तनेजा टेस्ला के चीफ अकाउंटिंग ऑफिसर हैं, जबकि फाइन्स्टाइन टेस्ला में वरिष्ठ निदेशक (ग्लोबल ट्रेड न्यू मार्केट) हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने भी मंगलवार को ट्वीट कर जानकारी दी कि टेस्ला अपने भारत के परिचालन को जल्द शुरू करने के लिए बेंगलुरु में अपने अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) केंद्र की स्थापना कर रही है। कर्नाटक सरकार ने राज्य में टेस्ला को आमंत्रित करने के लिए एक मजबूत पिच बनाई थी। येदियुरप्पा ने ट्वीट किया, कर्नाटक ग्रीन मोबिलिटी की दिशा में भारत की यात्रा का नेतृत्व करेगा। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला जल्द ही बेंगलुरु में एक आर एंड डी यूनिट के साथ भारत में अपना परिचालन शुरू करेगी। मैं एलन मस्क का भारत और कर्नाटक में स्वागत करता हूं और उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। टेस्ला भारत में परिचालन शुरू करने के लिए अन्य राज्य सरकारों जैसे महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के साथ भी संपर्क में है।

हुंदै ने रेलमार्ग के जरिये नेपाल को की 125 वाहनों की आपूर्ति

नयी दिल्ली, वाहन बनाने वाली कंपनी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने बुधवार को कहा कि उसने नेपाल को 125 वाहन भेजकर रेल मार्ग से निर्यात की शुरुआत कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह खेप चेन्नई से बाहर इरुंगट्टुकोट्टई में स्थित उसके संयंत्र के पास के वलजाबाद रेलवे हब से रवाना की गयी। ट्रेन सोनौली के पास भारत-नेपाल सीमा पर नौतनवा तक जायेगी। नेपाल की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए वहां से इन वाहनों को सड़क मार्ग से ले जाया जायेगा। कंपनी ने कहा कि रेल मार्ग का सहारा लेने से वाहनों के पहुंचने में लगने वाला समय आठ दिनों से कम होकर पांच दिन पर आ जायेगा। कंपनी ने कहा कि वह घरेलू बाजार में भी अपने 14 प्रतिशत वाहनों को रेल मार्ग से भेजती है। कंपनी अपने चेन्नई संयंत्र से करीब 88 देशों को निर्यात करती है।

इंफोसिस का तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 16.6 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी इंफोसिस का शुद्ध लाभ दिसंबर 2020 को समाप्त तिमाही में 16.6 प्रतिशत बढ़कर 5,197 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजारों से कहा कि साल भर पहले की समान अवधि में उसे 4,457 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी का राजस्व 12.3 प्रतिशत बढ़कर साल भर पहले के 23,092 करोड़ रुपये की तुलना में 25,927 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने स्थिर मुद्रा के आधार पर वित्त वर्ष 2020-21 के लिये राजस्व वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 4.5 से पांच प्रतिशत कर दिया। कंपनी ने इससे पहले अक्टूबर में दो से तीन प्रतिशत राजस्व वृद्धि का अनुमान जाहिर किया था। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) सलिल पारेख ने कहा, ''इंफोसिस टीम ने एक और तिमाही शानदार प्रदर्शन किया है। उपभोक्ताओं के लिये प्रासंगिक रणनीति तथा डिजिटल रूपांतरण पर ध्यान देने से बेहतर वृद्धि हासिल हुई है।'' कंपनी ने कहा कि उसके बड़े सौदों का कुल मूल्य 7.13 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पांच साल पूरे, तोमर ने कहा 29 करोड़ किसानों का हुआ नामांकन

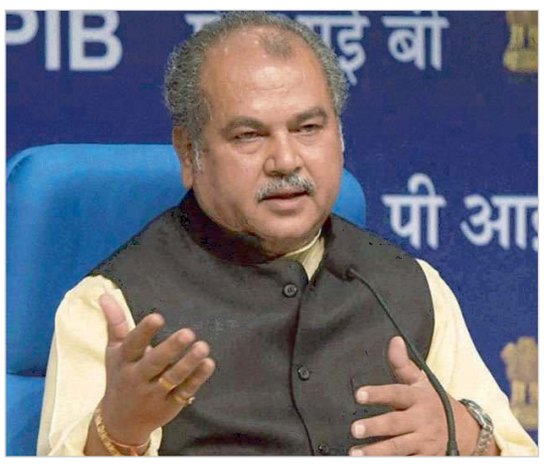

नयी दिल्ली,

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत अब तक 29 करोड़ किसानों ने बीमा कराया है। तोमर ने ऐसे किसानों से जल्द अपनी फसलों का बीमा कराने का आग्रह किया है जिन्होंने अभी तक बीमा नहीं कराया है । पीएमएफबीवाई के कार्यान्वयन के पांच वर्षों के पूरा होने के अवसर पर, मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली किसी भी फसल हानि से किसानों के लिए फसल बीमा ही एकमात्र ''सुरक्षा कवच'' है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अब तक 29 करोड़ किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया है और हर साल लगभग 5.5 करोड़ नए किसान पंजीकृत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले पांच वर्षों में 90,000 करोड़ रुपये के फसल नुकसान संबंधी दावों के लिए भुगतान आवंटन किया है। पीएमएफबीवाई, देश भर में किसानों को सबसे कम एकसमान प्रीमियम पर एक व्यापक जोखिम समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से 13 जनवरी 2016 को शुरू की गई थी। तोमर ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''इस अवसर पर, मैं फिर से किसानों को बधाई देना चाहता हूं और उनसे उम्मीद करता हूं कि वे अपने साथी किसानों और रिश्तेदारों को भी फसल बीमा का लाभ उठाने के लिए कहें।'' उन्होंने उन ''किसानों से भी आग्रह किया, जिन्होंने अभी तक अपनी फसल का बीमा नहीं कराया है, कि वे खुद फसल बीमा करायें और प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को सुरक्षित करें।'' मंत्री ने बताया कि पीएमएफबीवाई को स्वैच्छिक बनाया गया है और इस योजना को प्रौद्योगिकी से जोड़ा गया है। इसके अलावा, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए गए हैं। दावों के त्वरित वितरण और फसल मूल्यांकन के लिए, केंद्र उपग्रह का उपयोग कर रहा है और राज्य सरकारों की सन्निकटता में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल बीमा योजना से संबंधित सभी जानकारी देने वाला एक फसल बीमा मोबाइल ऐप भी उपलब्ध कराया गया है। इस योजना के तहत, किसान के अंशदान के हिस्से से अधिक प्रीमियम लागत के लिए केंद्र और राज्यों द्वारा समान रूप से सब्सिडी दी जाती है। पूर्व-पीएमएफबीवाई योजनाओं के दौरान पीएमएफबीवाई के तहत औसत बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 15,100 रुपये से बढ़कर 40,700 रुपये कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि आधार को खातों से जोड़ने से किसान के खातों में सीधे दावा निपटान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिली है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कोविड लॉकडाउन अवधि के दौरान भी लगभग 70 लाख किसानों को लाभ हुआ और 8,741.30 करोड़ रुपये के दावे का भुगतान लाभार्थियों को हस्तांतरित किए गए।

सेंसेक्स में तीन दिन के तेजी के सिलसिले पर ब्रेक, 25 अंक टूटा

मुंबई,

बीएसई सेंसेक्स में तीन दिन के तेजी के सिलसिले पर बुधवार को बेक लगा और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में इसमें 25 अंक की मामूली गिरावट आई। वैश्विक बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच निवेशकों द्वारा बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में मुनाफा काटने से बाजार नीचे आया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 721 अंक ऊपर-नीचे हुआ। अंत में यह 24.79 अंक या 0.05 प्रतिशत के नुकसान से 49,492.32 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 49,795.19 अंक का अपना सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1.40 अंक या 0.01 प्रतिशत के लाभ से 14,564.85 अंक के अपने नए रिकॉर्ड पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान इसने 14,653.35 अंक का सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 6.24 प्रतिशत चढ़ गया। एसबीआई, आईटीसी, एनटीपीसी, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी, बजाज फिनसर्व, टाइटन, सन फार्मा और डॉ. रेड्डीज के शेयरों में 2.85 प्रतिशत की गिरावट आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के प्रमुख-रणनीति विनोद मोदी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव रहा और इसने अपना शुरुआती लाभ गंवा दिया। बड़ी संख्या में शेयरों में मुनाफावसूली का सिलसिला चला। मोदी ने कहा, ''नवंबर, 2020 के औद्योगिकी उत्पादन (आईआईपी) में गिरावट से संकेत मिलता है कि वित्त मंत्री आगामी बजट में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन के लिए अधिक उपाय करेंगी।''

उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि दिसंबर, 2020 के उच्च चक्रीय महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों में सुधार बाजार मांग बढ़ने का संकेत है। यह बाजार की दृष्टि से अच्छा है। इसके अलावा कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे भी अच्छे रहे हैं। कमजोर डॉलर और वैश्विक बैंकरों की नरम मौद्रिक नीति के चलते घरेलू शेयरों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का आकर्षण बना रहेगा।'' सब्जियों की कीमतों में गिरावट से दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.59 प्रतिशत के 15 माह के निचले स्तर पर आ गई है। नवंबर महीने में औद्योगिक उत्पादन में 1.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। दो माह के अंतराल के बाद औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर फिर नकारात्मक हो गई है। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में क्रमशः 0.63 प्रतिशत की गिरावट आई। आईटी कंपनी इन्फोसिस का तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 16.6 प्रतिशत बढ़कर 5,197 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं विप्रो का शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़कर 2,968 करोड़ रुपये रहा है। इन कंपनियों के तिमाही नतीजे बाजार बंद होने के बाद आए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट तथा हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट आई। वहीं दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और जापान के निक्की में लाभ रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। इस बीच, वैश्विक बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56.74 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ 73.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को शुद्ध रूप से 571.47 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

कोल इंडिया ने चालू वित्त वर्ष के निवेश लक्ष्य को 3,000 करोड़ रुपये बढ़ाया

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने निवेश या पूंजीगत व्यय के लक्ष्य को संशोधित कर 13,000 करोड़ रुपये कर दिया है। कंपनी ने अपने निवेश लक्ष्य में 3,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों से कहा है कि वे आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए अपने व्यय में बढ़ोतरी करें। कोल इंडिया ने बयान में कहा कि 2020-21 के 10,000 करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। कुल 3,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश में सीआईएल की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक अनुषंगी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. का हिस्सा करीब 800 करोड़ रुपये है। इसमें सीआईएल मुख्यालय का हिस्सा 585 करोड़ रुपये और महानदी कोलफील्ड्स लि. का हिस्सा 550 करोड़ रुपये है। सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. का अतिरिक्त व्यय में हिस्सा 460 करोड़ रुपये है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में सीआईएल का निवेश लक्ष्य 166 प्रतिशत बढ़कर 7,801 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी का वास्तविक खर्च 4,871 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 2,930 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस तरह कंपनी ने अप्रैल-दिसंबर की अवधि में मूल निवेश बजट का 78 प्रतिशत इस्तेमाल किया है। सरकार ने कंपनी को निर्देश दिया था कि वह दिसंबर के अंत तक 7,500 करोड़ रुपये के निवेश को पूरा करे। कंपनी ने कहा कि उसने कुल 7,801 करोड़ रुपये के निवेश का इस्तेमाल किया है, जो सरकार के निर्देश से 301 करोड़ रुपये अधिक है।

स्टरलाइट पावर में सहायक कंपनी का विलय

नई दिल्ली।

पावर ट्रांसमिशन कंपनी स्टरलाइट पावर ने बुधवार को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी स्टरलाइट पावर ग्रिड वेंचर्स लिमिटेड के मूल कंपनी में विलय की घोषणा की। इस विलय के साथ, कंपनी ने परिचालन को एकीकृत करके और कॉर्पोरेट संरचना को सुव्यवस्थित करके बाजार में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विलय के बाद, स्टरलाइट पावर ने वित्तीय वर्ष 2020 के लिए ऑडिट किए गए वार्षिक परिणामों की भी घोषणा की, जिसमें समेकित राजस्व में सालाना आधार पर 44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5,158 करोड़ रुपये दर्शाए गए हैं। समेकित शुद्ध लाभ में भी साल-दर-साल 280 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह अक्षय ऊर्जा (आरई) को ग्रिड में एकीकृत करने पर केंद्रित है और राष्ट्रीय ग्रिड को साफ और हरित ऊर्जा से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। कंपनी ने शेड्यूल से 28 महीने पहले ब्राजील में अपना पहला प्रोजेक्ट शुरू किया था। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए स्टरलाइट पावर के प्रबंध निदेशक प्रतीक अग्रवाल ने कहा, भारत ने 2030 तक 450 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा है, हम आवश्यक ट्रांसमिशन अवसंरचना का निर्माण करके इस नेक काम में योगदान देंगे, ताकि हरित ऊर्जा अधिक घरों तक पहुंच सके।

स्पाइसजेट का शानदार ऑफर, 899 रुपए में करें हवाई सफर

बिजनेस डेस्क:

कोरोना महामारी के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बहुत अधिक प्रभाव देखने को मिल रहा है। कोरोना के खौफ के कारण यात्रियों की संख्या में भी भारी कमी आई है। ऐसे में यात्रियों को आकर्षित करने के लिए स्पाइसजेट एक स्पेशल **'Book Befikar Sale'** लेकर आई है। इस सेल के तहत घरेलू यात्रा का किराया 899 रुपए से शुरू हो रहा है। बता दें कि टिकट की बुकिंग आज (13 जनवरी) से शुरू हो गई है, जो 17 जनवरी 2021 को बंद हो जाएगी। सेल के तहत टिकट बुकिंग पर 1 अप्रैल 2021 से 30 सितंबर 2021 के बीच यात्रा की जा सकती है।

मिलेंगी ये सुविधाएं

Book Befikar Sale में घरेलू उड़ान का किराया 899 रुपए से शुरू हो रहा है। इसके अलावा बिना किसी चार्ज के टिकट की डेट चेंज करने और कैंसिल करने की भी सुविधा दी जा रही है। कंपनी ने ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को लुभाने की कोशिश में इस ऑफर के तहत एक मुफ्त टिकट वाउचर अलग से देने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि फ्लाइट वाउचर की कीमत बुक किए गए टिकट के बेस किराए के जितनी होगी। ग्राहक जब भी इस सेल ऑफर के तहत टिकट की बुकिंग करेगा उसे अधिकतम 1,000 रुपए प्रति बुकिंग का वाउचर मिलेगा। इस वाउचर का उपयोग भविष्य में टिकट बुकिंग के लिए किया जा सकता है।

वाउचर 28 फरवरी तक है वैलिड

यह फ्लाइट वाउचर 28 फरवरी 2021 तक वैलिड होंगे। यह केवल घरेलू उड़ान पर ही लागू होगा। इस वाउचर को कम से कम 5,500 रुपए के न्यूनतम लेनदेन राशि के साथ नए सिरे से बुकिंग करने पर भुनाया जा सकता है। इस ऑफर की पूरी जानकारी एयरलाइन ने अपनी वेबसाइट **www.SpiceJet.com** पर दी गई है। स्पाइसजेट ने कहा, यह छूट केवल एकतरफा किराए पर लागू होगी। इस ऑफर को किसी अन्य ऑफर के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है और न ही ग्रुप बुकिंग पर लागू किया जा सकता है।

विप्रो का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत बढ़कर 2,968 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ल.

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कंपनी विप्रो का दिसंबर, 2020 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत बढ़कर 2,968 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 2,455.9 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 1.3 प्रतिशत बढ़कर 15,670 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 15,470.5 करोड़ रुपये थी। विप्रो के कारोबार में आईटी सेवाओं का प्रमुख योगदान है। कंपनी ने कहा कि उसका अनुमान है कि मार्च, 2021 की तिमाही में उसका आईटी सेवाओं से कारोबार 210.2 करोड़ से 214.3 करोड़ डॉलर रहेगा। दिसंबर में समाप्त तिमाही में आईटी सेवाओं से कंपनी का कारोबार तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 3.9 प्रतिशत बढ़कर 207.1 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। यह कंपनी द्वारा अक्टूबर में लगाए गए अनुमान से अधिक है। अक्टूबर में कंपनी ने कहा था कि दिसंबर तिमाही में आईटी सेवाओं से उसका कारोबार 202.2 से 206.2 करोड़ डॉलर रहेगा। विप्रो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थिएरी डेलापोर्ट ने कहा कि कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी की ऑर्डर बुकिंग, राजस्व और मार्जिन अच्छा रहा है। उन्होंने कहा, ''तिमाही आधार पर हमारे पांच क्षेत्रों ने चार प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की।'' उन्होंने कहा कि मांग के माहौल में लगातार सुधार हो रहा है। विशेषरूप से डिजिटल बदलाव, डिजिटल परिचालन और क्लाउड सेवाओं की मांग बढ़ रही है। तिमाही के दौरान आईटी उत्पादों से कंपनी का कारोबार 160 करोड़ रुपये तथा भारत के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों से कारोबार 240 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने एक रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। बीएसई में कंपनी का शेयर मामूली लाभ से 458.7 रुपये पर बंद हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फुटबॉल : एसी मिलान कोपा इटालिया के क्वार्टर फाइनल में

रोम। इटली के फुटबॉल क्लब एसी मिलान ने टोरिनो को 5-4 से हराकर कोपा इटालिया के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, यह दोनों टीमों के बीच खेला गया लगातार दूसरा मैच था। मंगलवार को खेले गए इस मैच से पहले दोनों टीमें इटली सेरी-ए में भिड़ चुकी थीं, जिसमें टोरिनो ने 2-0 से जीत हासिल की थी। ज्लाटन इब्राहिमोविच ने मिलान के लिए वापसी की। टीम ने अपने नियमित गोलकीपर गियानलुइगी डोनाारुम्मा को बाहर कर सिपरियान टाटरुसानु को मैदान पर उतारा। मिलान ने मैच में अपना दबदबा दिखाया और दो बार गोल करने के बेहद करीब पहुंची लेकिन कर नहीं पाई। 120 मिनट तक गोल नहीं होने के बाद पेनाल्टी शूटआउट कराने का फैसला किया गया जिसमें मिलान ने पांचों गोल कर दिए, वहीं थॉमस रिनकोन टोरिनो के लिए एक बार चूक गए। अंतिम-8 में एसी मिलान का सामना इंटर मिलान से होगा।

आईएसएल-7

फातोर्दा में गोवा और जमशेदपुर के बीच होगी कड़ी टक्कर

फातोर्दा(गोवा)(एजेंसी)।

एफसी गोवा हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन की अंकतालिका में 15 अंकों के साथ चौथे नंबर पर है। लेकिन टीम अभी भी टेबल टॉपर मुंबई सिटी एफसी से 10 अंक पीछे है और उसे अभी 10 मैच और खेलने हैं। गोवा के कोच जुआन फेरांडो एक समय में एक ही मैच पर ध्यान देना चाहते हैं और इसी क्रम में अब टीम को अपना अगला मुकाबला गुरुवार को यहां फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जमशेदपुर एफसी के खिलाफ खेलना है। गोवा ने पिछले सीजन में टॉप पर रहते हुए सीजन का समापन किया था। लेकिन इस साल कई मैचों में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद टीम अपनी इच्छानुसार परिणाम हासिल करने के संघर्ष कर रही है। फेरांडो ने कहा, हमारा लक्ष्य प्रत्येक दिन तीन अंक हासिल करने पर होता है। बेशक, 50 अंक हासिल करना और सभी मैच जीतना मेरा सपना है। हम पूरी तरह से खुश हैं, लेकिन अब हमारे लिए यह जरूरी है कि हम एक समय पर एक ही मैच पर ध्यान दें। फुटबॉल में प्रत्येक मैच मायने रखता है। हमें एक समय पर एक ही मैच पर ध्यान केंद्रित करना होगा और अगला मुकाबला भी हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह (जमशेदपुर) एक अच्छी टीम है और उसमें बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। हमारे लिए, यह एक नया चैप्टर है और हम हर दिन डिफेंस और अटैकिंग में बेहतर काम कर रहे हैं। हम जमशेदपुर के खिलाफ पिछली गलतियों को नहीं दोहराएंगे। जमशेदपुर के नेरिजुस व्लास्किस ने इस सीजन में टीम के 12 गोल में से आठ गोल खुद ही किए हैं। लेकिन फेरांडो केवल एक ही खिलाड़ी पर ध्यान देने के बजाय पूरी टीम के खिलाफ प्लान बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे अपनी टीम पर विश्वास है और मैं अपने खिलाड़ियों पर विश्वास करता हूं। हमारे लिए, एक टीम के रूप में खेलना और एक टीम के खिलाफ योजना तैयार करना अधिक महत्वपूर्ण है। जमशेदपुर के कोच ओवेन कॉयले इस बात से अच्छी तरह से अवगत हैं कि वे एफसी गोवा के खिलाफ कोई गलती नहीं कर सकते हैं। कॉयले ने कहा, हमें व्यक्तिगत गलतियों को सुधारकर आगे बढ़ना है और सुधार जारी रखना है। यह हमें एफसी गोवा के खिलाफ करना होगा, जोकि बहुत अच्छी टीम है। हमें कड़ी मेहनत जारी रखनी है। उन्होंने कहा, गोवा में एक बहुत अच्छा कोच और कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और जिस शैली में वे कई साल से खेल रहे हैं, उसने अपनी प्रगति जारी रखी है। इसका सारा श्रेय उन्हें जाता है। हम उनकी ताकत जानते हैं, हम उनकी कमजोरी जानते हैं और अब हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।

आर्यना सबालेंका ने लगातार तीसरा दूर खिताब जीता

अबुधाबी(एजेंसी)।

बेलारूस की चौथी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने बुधवार को यहां अबुधाबी ओपन टेनिस फाइनल में वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 6-2, 6-2 से हराकर लगातार तीसरा टूर खिताब अपने नाम किया। उन्होंने लगातार 15वें मैच में जीत भी दर्ज की। सबालेंका ने पिछले सत्र के अंत में ओस्त्रावा और लिंज में दो इंडोर टूर्नामेंट जीते थे। वह अक्टूबर में फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में हार गयी थीं। इस खिताब से सबालेंका रैंकिंग में तीन पायदान के सुधार से सातवें स्थान पर पहुंच जायेंगी। डब्ल्यूटीए ने कोरोना वायरस के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन के फरवरी में कराये जाने के फैसले के बाद खिलाड़ियों को 'मैच टाइम देने के लिये जल्दबाजी में अबुधाबी में टूर्नामेंट आयोजित किया। सबालेंका और कुदेरमेतोवा अब आस्ट्रेलिया रवाना होंगी जहां वे पृथकवास में रहेंगी जिसमें आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले सीमित अभ्यास के मौके भी मुहैया कराए जाएंगे और खिलाड़ियों के लिये 'वार्म-अप' टूर्नामेंट भी आयोजित होंगे।

बीसीसीआई की बैठक में घरेलू क्रिकेट, आईसीसी टैक्स पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। बीसीसीआई शीर्ष परिषद की बैठक रविवार को वर्चुअली आयोजित की जाएगी जिसमें रणजी ट्रॉफी का छोटा सीजन, फ्यूचर टूर प्रोग्राम 2023-31 में आईपीएल की विंडो में विस्तार और 2021 टी-20 विश्व कप को लेकर आईसीसी टैक्स का मुद्दा एजेंडा में रहेगा। बीसीसीआई फरवरी में रणजी ट्रॉफी कराने पर विचार कर रही है और यह उन्हीं मैदान पर हो सकता है जहां इस समय सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेली जा रही है। जो बैठक के एजेंडा में शामिल हैं, उसमें चौथे और पांचवें शीर्ष परिषद की बैठक के माइन्यूट, 2020-21 घरेलू सीजन पर चर्चा, आईसीसी टी-20 विश्व कप टैक्स का मुद्दा, एनसीए प्रोजेक्ट पर चर्चा, एनसीए में नियुक्तियां, आईसीसी 2023-31 कार्यक्रम पर चर्चा, बिहार क्रिकेट संघ पर बात, शामिल हैं। टैक्स के मुद्दे पर 24 दिसंबर को अहमदाबाद में हुई एजीएम में चर्चा हुई थी।

थाईलैंड ओपन

श्रीकांत दूसरे दौर में, कश्यप और समीर बाहर

बैंकॉक(एजेंसी)।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने यहां जारी थाईलैंड ओपन के अपने पहले दौर के मुकाबले को जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है, जबकि पारुपल्ली कश्यप बीच में ही छोड़कर मैच से बाहर हो गए और समीर वर्मा को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा समय में विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने बुधवार को अपने दौर के मुकाबले में हमवतन सौरभ वर्मा को हराया। श्रीकांत ने 31 मिनट तक चले मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-30 सौरभ को 21-12, 21-11 से पराजित किया। इस जीत के साथ ही 27 साल के श्रीकांत ने सौरभ के खिलाफ अपना करियर 3-0 का कर लिया है। इससे पहले श्रीकांत ने सौरभ को 2019 में हांगकांग ओपन में और 2013 में फ्रेंच ओपन में शिकस्त दी थी। दूसरे राउंड में अब श्रीकांत का सामना हमवतन एचएस प्रणॉय और मलेशिया के ली जी जिया के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। पुरुष एकल के एक अन्य मैच में समीर वर्मा को इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रूस्तावितो से हार का सामना करना पड़ा। रूस्तावितो ने 37 मिनट तक चले मुकाबले में समीर को 21-15 21-17 से हराया। वर्ल्ड नंबर-31 समीर का वर्ल्ड नंबर 18 को रूस्तावितो के खिलाफ करियर की यह पहली भिड़ंत थी। इससे पहले, पुरुष एकल के पहले मुकाबले में पारुपल्ली कश्यप अपने पहले दौर के मुकाबले को बीच में ही छोड़कर मैच से बाहर हो गए। कश्यप कनाडा के एंथोनी हो शुए के खिलाफ कोर्ट पर उतरे। पहले गेम में उन्हें 9-21 से हार मिली जबकि दूसरे गेम में उन्होंने वापसी करते हुए 21-13 से जीत दर्ज की। तीसरे गेम में शुए 14-8 से आगे थे, लेकिन कश्यप ने रिटायर होने का फैसला किया और शुए को दूसरे राउंड में जाने का मौका मिल गया। इससे पहले, सात्विकसाईंराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में पहुंच गई है। चिराग और सात्विक की जोड़ी ने पहले राउंड के मुकाबले में दक्षिण कोरिया की जोड़ी किम जी जुंग और ली योंग डेए को 19-21, 21-16, 21-14 से मात देकर अगले राउंड में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने एक घंटे और आठ मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया। पुरुष युगल के एक अन्य मुकाबले में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। मलेशिया की जोड़ी योंग येव सिन और तोए ईए ने भारतीय जोड़ी को 21-13, 8-21, 22-24 से हराया। मिश्रित युगल में भारत को निराशा हाथ लगी। बी. सुमित रेड्डी और और एन. सिक्की रेड्डी की जोड़ी को पहले दौर में ही तेंग चुन मान और त्से यिंग सुएट की जोड़ी ने 22-20, 21-17 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय फुटबॉल टीम में छेत्री, आशालता को जगह

नई दिल्ली। प्रशंसकों द्वारा चुनी गई दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम में सुनील छेत्री और आशालता देवी क्रमश : पुरुष और महिला टीम में जगह पाने में सफल रहे हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम चुनने खातिर प्रशंसकों के लिए वोटिंग प्रक्रिया शुरू की थी और इसकी समय-सीमा 31 दिसंबर रखी गई थी। एआईएफएफ ने कहा कि दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम चुनने के लिए प्रशंसकों ने वोटिंग के माध्यम से 29 में से उन खिलाड़ियों को चुना है, जिन्होंने पिछले 10 वर्षों से सीनियर स्तर पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है और अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। **दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम :** गुरप्रीत सिंह संधू, सुभाशीष बोस, संदेश झिंगम, अनस इडथोडिका, प्रीतम कोटाल, हलीचरण नारजारे, अनिरुद्ध थापा, रोलिन बोरगे, उदांता सिंह, सुनील छेत्री, जेजे लालपेखलुआ। **दशक की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला फुटबॉल टीम :** अदिति चौहान, रोजा देवी, आशालता देवी, स्वीटी देवी, डालिमा छिब्बर, रंजना चानू, बेम्बेम देवी, रतनबाला देवी, डांगमेई ग्रेस, बाला देवी, अंजू तमांग।

इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज के लिए मैथ्यूज की श्रीलंका टीम में वापसी

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए आलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज को टीम में शामिल करने की घोषणा की है। 33 वर्षीय मैथ्यूज ने श्रीलंका के लिए अब तक 86 टेस्ट मैच खेले हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर नहीं जा पाए थे। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टीम का हिस्सा रहे धनंजय डी सिल्वा, कसुन रजिता, सांतुस गुणातिल्के और दिलशान मदुशंका को इंग्लैंड की सीरीज से बाहर रखा गया है। मेजबान श्रीलंका ने तेज गेंदबाज नुवान प्रदीप, रोशन सिल्वा, लक्षण संदाकन और रमेश मेंडिस को टीम में शामिल किया है। इंग्लैंड को यह सीरीज पिछले साल मार्च में खेलनी थी, लेकिन कोरोना के चलते इसे टाल दिया गया था। दो मैचों की टेस्ट सीरीज गॉल में बिना दर्शकों के ही खेली जाएगी। यह सीरीज आईसीसी की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है।

लैंगर ने चोटों के लिए आईपीएल को जिम्मेदार ठहराया

ब्रिस्बेन(एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2020 सीजन सही समय पर आयोजित नहीं किया गया और इसके कारण कई खिलाड़ी चोटिल भी हुए। कोरोना महामारी के कारण आईपीएल, 2020 का आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक यूएई में किया गया था और इसके बाद ही भारत का आस्ट्रेलिया दौरा शुरू हो गया था। लैंगर ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, मैंने कहा है कि यह इस समर सबसे अधिक जीवित रहने वाला है। इस सत्र में चोटों की सूची लंबी है। मेरे हिसाब से इस साल आईपीएल का समय सही नहीं था। खासकर इतने बड़े सीरीज के लिए तैयारी का मौका नहीं मिला। लेकिन इस बार टूर्नामेंट का टाइमिंग आइडियल नहीं था। चोट के कारण आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पहले वनडे, तीन टी-20 और दो टेस्ट मैचों में आस्ट्रेलिया के लिए नहीं खेल पाए थे। वार्नर तीसरे टेस्ट के लिए भी पूरी तरह से फिट नहीं थे, लेनिक इसके बावजूद वह खेले थे। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन भी चोटिल हो चुके हैं और उनका चौथे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। उनसे पहले मोहम्मद शमी और उमेश यादव भी चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। लैंगर ने हालांकि आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा, मुझे आईपीएल पसंद है। यह उसी तरह है, जैसे मेरे युवा दिनों में काउंटी क्रिकेट था। काउंटी खेलकर क्रिकेट कौशल का विकास होता था और अब आईपीएल से सीमित ओवरों के खेल में निखार आ रहा है, लेकिन कोविड-19 के कारण इस बार टाइमिंग सही नहीं थी। दोनों टीमों में कितने खिलाड़ी चोटिल हैं जो लीग का असर भी हो सकता है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि इसकी समीक्षा की जाएगी। यह क्रिकेट आस्ट्रेलिया की नजर में है। वनडे सीरीज के बाद भी हम कह चुके हैं कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए।

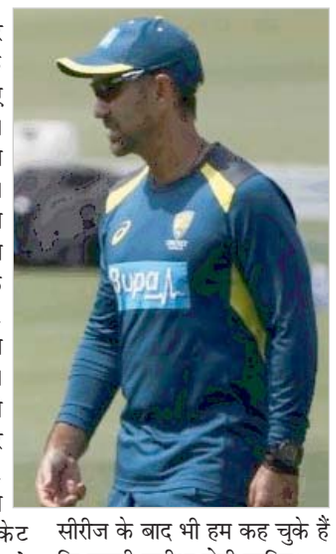

गाबा की उछाल भरी पिच मेरी रहस्यमयी गेंद के लिए उपयुक्त हो सकती है : लॉयन

ब्रिस्बेन(एजेंसी)।

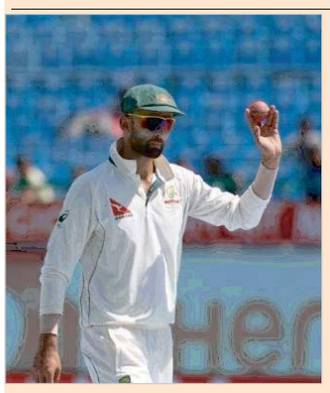

यहां के गाबा मैदान पर अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने जा रहे आस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लॉयन ने कहा कि इस मैदान की पिच में ज्यादा उछाल है जिससे उन्हें मदद मिलेगी। लॉयन ने कहा कि इस पिच में मौजूद उछाल उनकी रहस्यमयी गेंद के लिए सबसे उपयुक्त हो सकती है। ऑफ स्पिनर ने कहा कि सिडनी की धीमी विकेट ने उन्हें अपनी नई गेंद को फेंकने का मौका नहीं दिया था। लॉयन ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, यह मुकाबला बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है। दोबारा भारत के सामने खेलना अच्छा है। वह मेरे खिलाफ तैयारी के साथ आए थे। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं जिस तरह से गेंदबाजी कर रहा हूं उससे मैं काफी खुश हूं। मैंने कुछ मौके बनाए हैं जो काफी सकारात्मक रहे हैं.. लेकिन कई बार चीजें आपके पक्ष में नहीं होतीं और आपके साथ भाग्य भी नहीं होता। उन्होंने कहा, गाबा में एमसीजी और एससीजी की तुलना में ज्यादा बाउंस होगा इसलिए मैं यहां खेलने के लिए उत्साहित हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि अगर मैं अपना काम करता रहा तो भाग्य भी मेरा साथ देगा। मुझे धैर्य के साथ रहना होगा। कौन जानता है कि मैं मैच के पांचवें दिन अपनी रहस्यमी गेंद फेंक दूं। यह आने वाली है..देखते रहिए। गाबा टेस्ट लॉयन के करियर का 100वां टेस्ट मैच होगा। उन्होंने कहा कि वह 100 टेस्ट मैच के साथ खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, जब मैं अपना करियर खत्म करूंगा तब मैं अपने चेहरे पर मुस्कान लेकर बैठना चाहता हूं। यह मेरा 100वां टेस्ट होगा। लेकिन मेरी नजरों में मुझे अभी काफी कुछ करना है। मैं पहले से ज्यादा भूखा हूं। मैं आस्ट्रेलिया के लिए जितनी क्रिकेट हो खेलना चाहता हूं और ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना चाहता हूं।

सोनी ओपन में अच्छी शुरूआत से नए साल का स्वागत करने को तैयार लाहिड़ी

होनोलूलू (हवाई)। शीर्ष भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी गुरूवार से यहां शुरू होने वाले पीजीए टूर में सोनी ओपन में मजबूत शुरूआत करना चाहेंगे। चौथी बार हवाई में खेल रहे लाहिड़ी को लगातार तीन टूर्नामेंट खेलने हैं तो उनका लक्ष्य शुरू से अच्छा प्रदर्शन करके लय हासिल करना होगा। लाहिड़ी ने कहा, 'कार्यक्रम इस बार अच्छा दिख रहा है। इस समय मुझे पहले चार टूर्नामेंट में खेलना है जिसकी शुरूआत सोनी ओपन से होगी, फिर अमेरिकन एक्सप्रेस है। इसके बाद टोरे पाइन्स (फारमर्स इंश्योरेंस ओपन) और उम्मीद है कि फोनिक्स (वेस्ट मैनेजमेंट फोनिक्स ओपन) में भी।

विशेषज्ञों को उनके क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए : कल्याण चौबे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की उस याचिका की सुनवाई को टाल दिया है, जिसमें उसने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें अदालत ने 2016 में प्रफुल पटेल के एआईएफएफ अध्यक्ष चुने जाने वालु चुनावों को नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट (2011) का उल्लंघन बताया था।

केंद्र की तरफ से दलील दे रहे सोलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की बेंच के सामने सुनवाई को टालने की अपील की, ताकि वह अपना जवाब दाखिल कर सकें। शीर्ष अदालत अब दो सप्ताह बाद इसकी सुनवाई करेगी। पूर्व भारतीय फुटबॉलर कल्याण चौबे ने पिछले महीने ही सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) में नए चुनाव कराने की मांग की है। चौबे ने साथ ही कहा था कि एआईएफएफ के मौजूदा कार्यकारी समिति का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाए और जल्द नया चुनाव कराया जाए। चौबे ने आईएएनएस से कहा कि चूंकि सरकार इतने अच्छे काम कर रही है, इसलिए उसे उम्मीद है कि खेल मंत्रालय फुटबॉल फेडरेशन के मामलों को सकारात्मक तरीके से देखेगा। यह याद किया जा सकता है कि शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय के नवंबर 2016 के आदेश पर रोक लगा दी थी। प्रफुल्ल पटेल के चुनाव को एआईएफएफ प्रमुख के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए निर्धारित करते हुए कहा कि चुनाव स्वयं राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन था और महासंघ को निर्देश दिया था गया था कि पांच महीने की अवधि के भीतर नए चुनाव कराएं। एआईएफएफ ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एस.वाई. कुरैशी और पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान भास्कर गांगुली को आठ सप्ताह के भीतर एआईएफएफ संविधान तैयार करने के लिए लोकपाल के रूप में नियुक्त किया था। यह पूछे जाने पर कि किस चीज ने उन्हें एआईएफएफ के खिलाफ शीर्ष अदालत जाने के लिए प्रेरित किया, चौबे ने कहा कि किसी को तो आगे आना था और इसलिए उन्होंने 16 दिसंबर, 2020 की याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा, किसी को आगे आना पड़ा था। मैंने भी एआईएफएफ चुनावों से ठीक चार-पांच दिन पहले ही याचिका दायर कर दी थी, जो 21 दिसंबर, 2020 को होने वाले थे। मैं विभिन्न स्रोतों से सुन रहा था कि इस बार भी चुनाव कराने की एआईएफएफ की योजना नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करके, चुनाव की तारीख को स्थगित करने का आग्रह करते हुए, महासंघ ने कार्यकारी समिति के कार्यकाल को लंबा करना चाहा। इसलिए मैंने सोचा कि किसी को आगे आना होगा और मुझे वह व्यक्ति बनना चाहिए।

एडिलेड में डु प्लेसिस की पारी से प्रेरणा ली : अश्विन

ब्रिस्बेन। भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हनुमा विहारी के साथ मिलकर सिडनी टेस्ट मैच ड्रॉ कराया। अश्विन ने कहा है कि उन्होंने 2012 में एडिलेड में दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के बीच खेले गए मैच में फाफ डु प्लेसिस की पारी से प्रेरणा ली थी। डु प्लेसिस ने 376 गेंदों पर 110 रन बनाए थे और आस्ट्रेलिया को जीत से महरूम रखने में अहम भूमिका निभाई थी। अश्विन ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, मैं अपने आप से कहता रहा कि मैं डु प्लेसिस की तरह निष्क्रिय बल्लेबाजी कर सकता हूं जैसी उन्होंने एडिलेड में 2012 में की थी। मैं अपने आपको एक शानदार मौका दे सकता हूं। अश्विन ने कहा कि वह अभी भी इस परिणाम को कबूल नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि दोनों बल्लेबाज एक दम सुन्न थे। उन्होंने कहा, जैसे रवि भाई कहते, अभी तक समझ नहीं आया। इसलिए हम नहीं कह सकते कि हम कैसा महसूस कर रहे हैं। मैं नहीं बता सकता कि मैं क्या महसूस कर रहा हूं, लेकिन यह काफी विशेष था। मुझे लगता है कि हम दोनों सुन्न रह गए थे और कुछ देर के लिए हमें पता नहीं था कि क्या हुआ। हमें जश्न भी नहीं मनाया क्योंकि हमें नहीं पता था कि क्या करना है क्योंकि हम हर एक गेंद को खेलने पर फोकस कर रहे थे। अश्विन ने कहा कि लॉयन का सामना करना आसान था क्योंकि तेज गेंदबाजों को खेलते समय उनकी पीठ में दर्द था। उन्होंने यह भी बताया कि शरीर में दर्द होने के बाद भी वह शॉट्स लेने क्यों गए। उन्होंने कहा, लॉयन गेंदबाजी कर रहे थे। शुरुआत की तीन-चार गेंदें मैंने खेली। मेरी पीठ का दर्द मेरी गर्दन के निचले हिस्से से जा रहा था। इसलिए मैं विहारी के पास गया कि मुझे यह शॉट नहीं खेलना चाहिए था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टेंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदें टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताज़गी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्व भी है। बाल्डी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती हैं। बस स्टेंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साई दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप साई दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहां आते हैं। साई दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्चुपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टेंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूजियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-तकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टेंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेल: देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा-देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्ग: जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेक्कन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में: राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैलाहुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक पुराना और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के शो रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्ट्रीय स्तर की संस्था राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नामक निजी संस्था राजपुर में हैं यें दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि बजाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया केन्द्र है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बैकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बडी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टेंड जो दिल्ली बस स्टेंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टैंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टैंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रूस इस साल 200 विनाशकारी मिसाइलें दागने का बना रहा प्लान, टेंशन में नाटो देश

(एजेंसी):

रूस का अमेरिका और नाटो के यूरोपीय सदस्य देशों के साथ तनाव बढ़ता जा रहा है । इस बीच रूस ने एक बड़ा ऐलान कर दुनिया को चौंका दिया है। जानकारी के अनुसार रूस ने कहा कि कि वह साल 2021 में 200 से ज्यादा मिसाइलों का परीक्षण करेगा। रूस ने यह घोषणा ऐसे समय पर की है जब उसकी बेहद घातक सतान 2 हाइपरसोनिक

अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल जल्द ही बनकर तैयार होने जा रही है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व में 200 मिसाइलों का परीक्षण किया जाएगा। रूस के इस ऐलान के बाद नाटो देशों की टेंशन बढ़ गई है। इससे पहले भी वर्ष 2020 में भी रूस ने करीब 200 मिसाइलों का ही परीक्षण कि या था। रूस की समाचार एजेंसी तास ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से कहा, साल 2021 में स्ट्रेटजिक मिसाइल फोर्स विभन्नि स्तरों पर 200 अभ्यास करेगी। इसमें मिसाइल रेजिमेंट और मिसाइल डिविजन के रणनीतिक और विशेष अभ्यास शामिल हैं। अभ्यास के दौरान गतिविधियों की आक्रामकता में बदलाव देखने को मिलेगा। रूस इस समय अपनी आरएस-28 सरमत अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल को फ्लाइट ट्रायल के लिए तैयार कर रहा है। इसके बारे में कहा जाता है, यह मिसाइल किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर सकती है। देश के उपरक्षामंत्री ने कहा है कि इस तरह के ट्रायल निकट भविष्य में होंगे। एक अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक सरमत या सतान 2 मिसाइल 10 हजार से लेकर 18 हजार किमी तक मार कर सकती है। रूस की इस महाविनाशक मिसाइल को लेकर नाटो देशों में दहशत का माहौल है।इस मिसाइल की विध्वंसक क्षमता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता कि इसके एक ही वार से पूरे फ्रांस को तबाह किया जा सकता है।

स्पेन में बर्फबारी ने तोड़ा 50 साल का रिकॉर्ड, 5 लोगों की मौत व सैकड़ों घायल

(एजेंसी):

स्पेन में इस साल रिकॉर्ड बर्फबारी हुई है। देश की राजधानी मेड्रिड में पारा लुढ़कर माइनस 25.4 डिग्री सेल्यिस तक पहुंच गया है। मेड्रिड में पिछले 50 सालों के दौरान रिकॉर्ड बर्फबारी हुई है। राजधानी समेत कई शहरों और गांवों में पानी की आपूर्ति में बाधित हो गई है। पूरे देश में बर्फबारी के चलते पेड़ों को भी नुकसान पहुंचा है। स्पेन में भारी बर्फबारी के चलते अबतक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्र में पारा माइनस से भी काफी नीचे चला गया है। सड़कों पर बर्फ जमा होने से फिसलन काफी बढ़ गई है। सैकड़ों लोग बर्फ पर फिसलकर गिर चुके हैं और अपनी हड्डियां तुड़वा चुके हैं। स्पेन के फिलोमेना में बर्फबारी और भयानक ठंड के चलते वीकंड पर 3 लोगों को अपनी जान चली गई जबकि बार्सिलोना के प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को दो और लोगों की जान चली गई।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को मरने वाले दोनों व्यक्ति बेघर थे। ये दोनों हायपोथ्रमीया के शिकार होकर मारे गए। स्पेन की राजधानी मेड्रिड में इस साल रिकॉर्ड बर्फबारी हुई है। पारा लुढ़कर माइनस 25.4 डिग्री सेल्यिस तक पहुंच गया है। मेड्रिड में पिछले 50 सालों के दौरान रिकॉर्ड बर्फबारी हुई है। राजधानी समेत कई शहरों और गांवों में पानी की आपूर्ति में बाधा पड़ रही है। पूरे देश में बर्फबारी के चलते पेड़ों को भी नुकसान पहुंचा है। मंगलवार को इतनी ज्यादा बर्फबारी हुई कि जगह-जगह रोड ब्लॉक हो गए और देशभर से यातायात में बाधा पड़ने की खबरें मिलती रहीं। यातायात विभाग के अनुसार पूरे देश से बर्फबारी के चलते सड़कें बंद होने की खबरें पूरे दिन मिलती रहीं लेकिन इसकी संख्या बता पाना मुश्किल हैं।

कनाडा में सिख मंत्री के इस्तीफे के बाद ट्रूडो ने मंत्रिमंडल में किया फेरबदल, अंतरिक्ष यात्री को बनाया नया विदेश मंत्री

टोरंटो (एजेंसी)।

कनाडा में भारतीय मूल के कनाडाई सिख मंत्री नवदीप बैंस के अचानक इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। ट्रूडो ने एक पूर्व अंतरिक्ष यात्री को नया विदेश मंत्री नियुक्त किया है। ट्रूडो ने मंत्रिमंडल में फेरबदल के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए मंगलवार को ट्विटर पर कहा, ''नवदीप बैंस ने घोषणा की है कि वह अपने परिवार के साथ अधिक वक्त बिताने के लिए नवाचार, विज्ञान एवं उद्योग मंत्री पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उनकी घोषणा से उत्पन्न रिक्ति को भरने के लिए हम कनाडा के मंत्रिमंडल में कुछ बदलावों की घोषणा कर रहे हैं। '' बैंस ने 2013 में ट्रूडो के नेतृत्व हासिल करने में एक अहम भूमिका निभाई थी। बैंस (43) ने मंगलवार को एक वीडिया बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि परिवार के साथ कहीं अधिक वक्त बिताने के लिए वह राजनीति से सन्यास ले रहे हैं। उनके अगले चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है। हालांकि, बैंस ने कहा कि वह अगले चुनाव के दौरान प्रचार अभियान में एक भूमिका निभाएंगे। बैंस, 2015 में ट्रूडो द्वारा कैबिनेट

मंत्री नियुक्त गये चार सिखों में एक थे। अब ट्रूडो के मंत्रिमंडल में सिर्फ दो सिख मंत्री रह गये हैं। पूर्व अंतरिक्षयात्री एवं परिवहन मंत्री मार्क गार्नेउ को नया विदेश मंत्री बनाया गया है, जबकि फांकवा फिलीप शैंपेज को नवाचार, विज्ञान एवं उद्योग मंत्री बनाया गया है।

ब्रिटिश कंपनी ने पाक के कुछ लोगों के खिलाफ लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, इमरान ने पूर्ण पारदर्शिता की मांग की

इस्लामाबाद (एजेंसी)

संपत्ति बरामद करने वाली एक ब्रिटिश कंपनी ने दावा किया है कि कुछ पाकिस्तानियों के धन शोधन करने के बारे में उसके पास साक्ष्य हैं, जिसके बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान के कुछ ''संभ्रांत'' लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार पर उससे बुधवार को पूर्ण पारदर्शिता की मांग की। खान ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा ''पाकिस्तान के (कुछ) संभ्रांत लोग सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार और धन शोधन में संलिप्त हैं।'' उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ब्रॉडशीट एलएलसी के मालिक कावेह मौसावी ने कहा था कि उनकी कंपनी पर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और अन्य ने दबाव डाला था तथा उसके पास कुछ अन्य पाकिस्तानियों के धन शोधन के बारे में साक्ष्य हैं। मौसावी ने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ ने अपनी विदेशी संपत्ति के खिलाफ जांच रोकने के लिए रिश्वत की पेशकश की थी। उन्होंने यह भी कहा कि 2012 में खुद को शरीफ का भतीजा बताते हुए एक व्यक्ति ने इस संबंध में एक सौदे की पेशकश की थी। खान ने ट्वीट किया, ''पनामा पेपर्स ने अब से पहले हमारे नेताओं के भ्रष्टाचार एवं धन शोधन को उजागर किया गया था। अब ब्रॉडशीट ने हमारे कुछ नेताओं के भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक बार फिर खुलासा किया है।'' उन्होंने कहा, ''ये खुलासे एक बड़े प्रकरण का महज एक छोटा सा हिस्सा भर है। हम हमारे (पाकिस्तान के) नेताओं के धनशोधन के बारे में और जांच रोकने वाले व्यक्ति के बारे में ब्रॉडशीट से पूर्ण पारदर्शिता चाहते हैं। '' उन्होंने कहा, ''ये नेता सत्ता में आते हैं और देश में लूट-खसोट करते हैं। वे गलत तरीके से प्राप्त किये गये लाभ को विदेशों में छिपाने के लिए धन शोधन करते हैं। इसके बाद वे अपने राजनीतिक रसूख की आड़ में एनआरओ हासिल करते हैं।

इस तरह से वे लोग लूट-खसोट की अपनी रकम को सुरक्षित रखते हैं। ''

संक्षिप्त समाचार

US में 67 साल बाद महिला कैदी को इंजेक्शन लगा कर दी गई मौत की सजा,गर्भवती का पेट फाड़ ले गई थी बच्चा

न्यूयार्क: अमेरिका के कंसास में रहने वाली एक महिला को एक गर्भवती महिला की गला दबा कर हत्या करने और गर्भ काट कर भ्रूण निकालने के जुर्म में मौत की सजा दी गई। अमेरिकी सरकार ने करीब सात दशक में पहली बार किसी महिला कैदी को मौत की सजा दी है। महिला कैदी लीसा मॉन्टगोमरी (52) को इंडियाना प्रांत के टेरे हौटे के संघीय जेल परिसर में जहरीला इंजेक्शन लगाए जाने के बाद रात 1:31 बजे मृत घोषत कर दिया गया। मौत की सजा पर तामील होने की प्रक्रिया के दौरान मॉन्टगोमरी के के पास खड़ी महिला ने झुक कर उसके चेहरे से मास्क हटाया और पूछा कि क्या उसे अंतिम बार कुछ कहना है। इस पर दोषी महिला ने कहा,''नहीं। महिला के वकील केली हेनरे ने कहा ,'' लीसा को मौत की सजा देने की प्रक्रिया में शामिल लोगों को शर्म आनी चाहिए। मामले के अनुसार मॉन्टगोमरी ने 2004 में मिसूरी के स्किडमोर शहर में 23 वर्षीय बॉबी जो स्टीनेट की हत्या कर दी थी। उसने एक रस्सी से बॉबी की गला दबा कर हत्या कर दी थी और एक चाकू से उसका पेट काट कर बच्ची को निकाल लिया था। उस वक्त बॉबी आठ माह की गर्भवती थी। बाद में मॉन्टगोमरी बच्ची को अपने साथ ले गई थी और उसे अपना बताने लगी।

डब्ल्यूएचओ दल के आने से पहले चीन में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े

बीजिंग, (एजेंसी)

कोविड-19 की उत्पत्ति के स्थान का पता लगाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दल के बृहस्पतिवार को चीन के दौरे से पहले देश में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने कहा कि मंगलवार को देश में संक्रमण के 115 नए मामले सामने आए, जिनमें से 107 मामले स्थानीय स्तर पर संक्रमण के हैं वहीं शेष मामले बाहर से आए लोगों से जुड़े हैं। एनएचसी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर सामने आए मामलों में 90 मामले हेबेई प्रांत से ,16 मामले हेईलोंग जियांग प्रांत से और एक मामला शांग्सी प्रांत से सामने आया है। चीन में मंगलवार तक संक्रमण के 87,706 मामले थे, वहीं 4,634 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई है। चीन में संक्रमण के मामले ऐसे वक्त में बढ़ रहे हैं जब डब्ल्यूएचओ के 10 सदस्यीय दल को इस बात का पता लगाने के लिए वुहान जाना है कि कोविड-19 की उत्पत्ति कहां पर हुई हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दल सिंगापुर से वुहान के लिए उड़ान भरेगा।

सरकारों व मीडिया के प्रति घटते विश्वास से विश्व में कोविड के खिलाफ टीकाकरण के सीमित होने का खतरा: सर्वेक्षण

वाशिंगटन, एक सर्वेक्षण में सामने आया है कि सरकारों और सभी तरह के मीडिया के प्रति लोगों के घटते विश्वास से दुनियाभर में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण के अभियान के सीमित होने का खतरा है,खासकर अमेरिका में। संचार कंपनी एडेलमेन ने संस्थानों के प्रति विश्वास की स्थिति के वार्षिक आकलन में पाया कि इस ÷इन्फोडेमिक÷ (अधिकतर झूठी जानकारी होना) भरोसे की कमी को बढ़ा रही है जिससे महामारी से निपटने में अधिक समय लग सकता है। एडेलमेन के सीईओ रिचर्ड एडेलमेन ने कहा, ÷यह सूचना दिवालियापन का दौर है।÷

उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते वाशिंगटन में अमेरिका के संसद भवन पर हमला और कोविड-19 का टीका लगवाने को लेकर सिर्फ एक तिहाई लोगों के इच्छुक होने से ÷गलत सूचना÷ के खतरे का पता चलता है। कंपनी ने पाया कि महामारी के खिलाफ सफलतापूर्वक टीकाकरण अभियान में सबसे बड़ी रूकावट टीकों पर संदेह है। 28 देशों में आकलन किया गया और उसने पाया कि नवंबर तक ही जवाब देने वाले दो तिहाई से कुछ अधिक लोगों ने कहा कि वे एक साल के अंदर टीका लगवाने के इच्छुक हैं।

कंपनी ने कहा कि यह हिचकिचाहट सबसे ज्यादा रूस में है जहां सर्वेक्षण में शामिल किए गए 15 फीसदी लोग जल्द से जल्द टीका लगवाने के इच्छुक थे और सिर्फ 25 प्रतिशत ही एक साल के अंदर टीका लगवाने को राजी दिखे। अमेरिका में कंपनी ने पाया कि कुल 59 फीसदी लोग एक साल के अंदर टीका लगवाने के इच्छुक हैं और 33 प्रतिशत जल्द से जल्द टीके की खुराक लेना चाहते हैं। उसने बताया कि सबसे ज्यादा विश्वास भारत में दिखा जहां 51 प्रतिशत लोग तत्काल टीका लगवाने के लिए राजी थे और अन्य 29 फीसदी लोग एक साल के अंदर टीका लगवा लेना चाहते हैं। कुल मिलाकर भारत में 80 फीसदी लोग टीका लगवाने के इच्छुक हैं।

दुनियाभर की सरकारें और स्वास्थ्य कर्मियों को उम्मीद है कि सुचारू रूप से टीकाकरण शुरू करने से यह संशय खत्म हो जाएगा। टीकों को लेकर संकोच दिखने के बावजूद एडेलमेन ने पाया कि व्यवसाय सबसे अधिक विश्वस्त संस्थानों के तौर पर उभरे हैं, क्योंकि किसी हद तक उन्होंने सीमित समय में टीके विकसित किए हैं।

पाकिस्तान में अपहरण के बाद मारी गई ईसाई बच्ची के लिए उठी न्याय की मांग

पेशावर। एक मानवाधिकार समूह ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अपहरण के बाद मारी गई ईसाई लड़की इशल अफजल के लिए न्याय की मांग की है।ह्यूमन राइट्स फोकस पाकिस्तान (HRFP) ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि इशल का अज्ञात हमलावरों ने उस वक्त अपहरण कर लिया था, जब वह फैसलाबाद के लियाकत टाउन में अपने घर के बाहर खेल रही थी। इशल के पिता अफजल मसीह अपने चर्च पादरी सोहेल मासिह के साथ HRFP कार्यालय पंहुचे और कानूनी टीम के साथ विवरण साझा किया और अपनी बेटी की निर्मम हत्या के खिलाफ अदालत में केस दायर कर न्याय की मांग की। इसके बाद HRFP टीम को घटना स्थल का दौरा करने पर पता चला कि इशल अफजल 06 जनवरी को सुबह करीब 8:30 बजे लापता हो गई थी । परिवार ने फैसलाबाद के जारणवाला रोड पर सदर पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई। पुलिस ने अगले दिन इस इलाके के तालाब के पास ईशल का शव बरामद किया । HRFP की रिपोर्ट के अनुसार शुरुआती मेडिकल रिपोर्टों से पता चलता है कि संभवतः बलात्कार के प्रयासों के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने 2 संदिग्धों से पूछताछ की लेकिन दोनों को छोड़ दिया गया। HRFP के अध्यक्ष नावेद वाल्टर ने कहा कि यह मामला ईसाई, हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के अपहरण का मामला है। वाल्टर ने कहा, लड़कियों के अपहरण के नवीनतम आंकड़े एक दिन में आठ से 10 मामलों तक पहुंच गए हैं। उन्होंने समुदाय से नाबालिगों की देखभाल करने और अपने संबंधित क्षेत्रों और घरों में अजनबियों की आसान पहुंच को रोकने की अपील की। नावेद वाल्टर ने आगे कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों के अपहरण, बलात्कार और हत्या को रोकने में अधिकारी विफल रहे हैं।

मास्टरमाइंड हाफिज सईद के दो सहयोगियों पर कसा शिकंजा, हुई 15 साल कैद की सजा

(एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक आतंक रोधी अदालत ने मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा (जेयूडी) प्रमुख हाफिज सईद के दो करीबी सहयोगियों को आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में 15-15 साल से ज्यादा जेल की सजा सुनायी है। सईद के संगठन के प्रवक्ता याह्या मुजाहिद को भी सजा सुनायी गयी है। लाहौर में आतंकरोधी अदालत ने मंगलवार को सईद के रिश्तेदार अब्दुल रहमान मक्की को भी छह महीने जेल की सजा सुनायी थी।

मुजाहिद और इकबाल को करीब 15 साल जेल में रहना होगा

अदालत के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया, 'न्यायाधीश अरशद हुसैन भुट्ठा ने पंजाब पुलिस के आतंकरोधी विभाग (सीटीडी) द्वारा दर्ज मामले में याह्या मुजाहिद और जफर इकबाल में से प्रत्येक को 15 साल छह महीने और प्रोफेसर अब्दुल रहमान मक्की को छह महीने कैद की सजा सुनायी।% इससे पहले अदालत ने आतंकवाद के वित्तपोषण के तीन मामले में मुजाहिद को 47 साल जेल की सजा सुनायी थी। इसी तरह, तीन मामलों में इकबाल को 26 साल की सजा दी गयी थी। मुजाहिद और इकबाल दोनों को करीब 15 साल जेल में रहना होगा क्योंकि उन्हें सुनायी गयी सभी सजा एकसाथ चलेगी।

सईद को 36 साल की सजा

आतंकवादियों के खिलाफ कदम उठाने के लिए पाकिस्तान पर बढ़ रहे अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच पिछले सप्ताह मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी को आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में पांच साल जेल की सजा सुनायी गयी। लखवी को तीन अपराधों के लिए पांच-पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी और तीन लाख पाकिस्तानी रुपये (करीब 620 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया। उसकी सजा एक साथ चलेगी। सीटीडी ने अलग अलग शहरों में हाफिज सईद समेत उसके कुछ सहयोगियों के खिलाफ 41 मामले दर्ज किए थे। आतंकरोधी अदालत अब तक पांच मामलों में आतंक के वित्तपोषण के आरोपों को लेकर सईद को कुल मिलाकर 36 साल की सजा सुना चुकी है। सभी मामलों में उसकी सजा एक साथ चलेगी। उसे लाहौर की कोट लखपत जेल में रखा गया है।

संयुक्त राष्ट्र ने सईद को वैश्विक आतंकी घोषित किया था

वर्ष 2008 में मुंबई हमले के लिए जमात उद दावा (जेयूडी) प्रमुख हाफिज सईद के नेतृत्व वाला लश्कर-ए-तैयबा जिम्मेदार था। हमले में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोगों की मौत हो गयी थी। संयुक्त राष्ट्र ने सईद को वैश्विक आतंकी घोषित किया था और अमेरिका ने उस पर एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित कर रखा है। आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने भी पाकिस्तान पर दबाव बढ़ा दिया है। पेरिस मुख्यालय वाले एफएटीएफ ने जून 2018 में पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट में डाल दिया था.

बाइडेन के शपथ ग्रहण के समय हो सकती है हिंसा, ट्रंप ने आपातकालीन घोषणा जारी की

(एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन के 20 जनवरी को शपथ ग्रहण समारोह से पहले और उस दौरान हिंसा होने की आशंका को लेकर स्थानीय एवं संघीय अधिकारियों की बढ़ती चिंताओं के बीच देश की राजधानी वाशिंगटन डीसी के लिए एक आपातकालीन घोषणा जारी की। सोमवार को जारी एक बयान में, व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति के इस कदम से गृह मंत्रालय (डीएचएस) और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) को राहत प्रयासों का समन्वय करने की अनुमति मिल गई है, ताकि स्थानीय लोगों के समक्ष आपातकाल के कारण आने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सके। वाशिंगटन डीसी में आपातकालीन घोषणा सोमवार से प्रभावी हो गई, जो 24 जनवरी तक लागू रहेगी। ट्रम्प ने यह घोषणा ऐसे समय में जारी की है, जब पिछले सप्ताह ट्रम्प समर्थक भीड़ ने कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) पर हमला कर दिया था। इस हमले से राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के पदों के लिए में क्रमशः जो बाइडन एवं कमला हैरिस के निर्वाचन को सत्यापित करने की प्रक्रिया बाधित हुई। इस दौरान हुई हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई थी। व्हाइट हाउस के अनुसार, आपातकालीन घोषणा आवश्यक आपातकालीन उपायों के लिए उचित सहायता भी प्रदान करती है। इसके तहत लोगों की जान बचाने और संपत्ति और सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा के लिए उपाए किए जाएंगे। इसके तहत विशेष रूप से, फेमा को आपातकाल के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत किया गया है।

US के दस्तावेज में दावा:

चीन के खिलाफ जवाब देने में सक्षम है भारत, शक्ति संतुलन बनाएगा मजबूत

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के निवर्तमान ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक किए गए एक दस्तावेज में कहा है कि भारत में सीमा पर चीन की उकसाने वाली कार्रवाई का जवाब देने की क्षमता है और एक मजबूत भारत समान सोच रखने वाले देशों के सहयोग से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के खिलाफ ''शक्ति संतुलन' बनाने का काम करेगा। 10 पृष्ठीय दस्तावेज को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रोबर्ट ओ'ब्रायन ने हाल में सार्वजनिक किया था और अब इसे व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है। हिंद प्रशांत के लिए 'यूएस स्ट्रैटेजिक फ्रेमवर्क' दस्तावेज में कहा गया है, ''भारत सुरक्षा मामलों पर अमेरिका का पंसदीदा साझेदार है। दोनों दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया और आपसी चिंता वाले अन्य क्षेत्रों में समुद्री सुरक्षा बनाए रखने और चीनी प्रभाव को रोकने में सहयोग करते हैं। भारत में सीमा पर चीन की उकसावे की कार्रवाई का जवाब देने की क्षमता है।' इसमें कहा गया है कि भारत दक्षिण एशिया में अग्रणी है और वह हिंद प्रशांत की सुरक्षा बनाए रखने में नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। वह दक्षिण पूर्व एशिया में मौजूदगी बढ़ा रहा है और क्षेत्र में अमेरिका के अन्य सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ आर्थिक, रक्षात्मक एवं राजयनिक सहयोग को विस्तार दे रहा है। दस्तावेज में कहा गया है, ''एक मजबूत भारत एक जैसी सोच रखने वाले देशों के सहयोग से चीन के खिलाफ शक्ति संतुलन बनाने का काम करेगा।' इसमें कहा गया है कि दस्तावेज में बताई गई नीति का लक्ष्य भारत के विकास एवं क्षमता को बढ़ाना है, ताकि वह बड़ा रक्षा साझेदार बन सके। इसका लक्ष्य भारत के साथ स्थायी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना है, जिसे क्षेत्र में अमेरिका और उसके साझेदारों के साथ प्रभावशाली गठजोड़ करने में सक्षम मजबूत भारतीय सेना आधार प्रदान करती है। इसमें रक्षा सहयोग के लिए मजबूत आधार बनाने और रक्षा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस 'फ्रेमवर्क' में एक बड़े रक्षा साझेदार के तौर भारत का दर्जा बढ़ाने के लिए रक्षा तकनीक के हस्तांतरण की क्षमता को विस्तार देने, क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी साझा चिंताओं पर सहयोग बढ़ाने और भारत की मौजूदगी हिंद महासागर से आगे बढ़ाने को प्रोत्साहित करने का प्रस्ताव रखा गया है। दस्तावेज में परमाणु आपूर्ति समूह में भारत की

सदस्यता को सहयोग देने की बात की गई है। दस्तावेज में राजनयिक, सैन्य और खुफिया माध्यमों से भारत को सहयोग देने का प्रस्ताव रखा गया है ताकि चीन के साथ सीमा पर विवाद समेत महाद्वीप की चुनौतियों से निपटने में मदद मिल सके। इसमें भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और अग्रणी वैश्विक शक्ति बनने की उसकी महत्वांक्षाओं को समर्थन देने का प्रस्ताव रखा गया है।

शिजियांग में उइगरों पर अत्याचार से नाराज ब्रिटेन-कनाडा ने चीन पर लगाए प्रतिबंध

लंदन: चीन के शिजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ पूरी दुनिया में आवाज बुलंद हो रही है। ब्रिटेन और कनाडा ने इस मामले में कड़ा संज्ञान चीन की लगाम कसने का फैसला लिया है । ब्रिटेन मंगलवार को एक अहम फैसले में शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों के मानवीय अधिकारों के भयावह उल्लंघन के मामले में चीनी कंपनियों से माल खरीदने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ब्रिटेन की विदेश मंत्री डोमिनिक राब ने संसद के निचले सदन- हाउस आफ कामंस में कहा कि संयुक्त राष्ट्र को शिनजियांग जाने की छूट होनी चाहिए ताकि उइगर मुसलमानों पर अत्याचार की खबरों की समीक्षा की जा सके। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना होगा कि कोई भी कंपनी माल आपूर्ति की ऐसी श्रृंखला की कड़ी नहीं हो जो कि शिनझिंग के यातना शिविरों से शुरू होती है। राब ने कहा कि ब्रिटेन की योजना चीन पर राजनयिक दबाव बढ़ाने की है ताकि वह उइगर मुसलमानों पर अपनी दमन की कार्रवाई को रोके। इस दिशा में कदम उठाते हुए ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रकुल और विकास कार्यालय (FCDO) विभाग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग ने शिनझिंग के साथ संपर्क रखने वाले कंपनियों से जुड़े जोखिमों को लेकर नए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उधर, कनाडा की विदेश मामलों के मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन और लघु व्यवसाय, निर्यात संवर्धन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मैरी एनजी ने शिजियांग के उइगर स्वायत्त क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति को देखते हुए चीन के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की।

69.42 लाख एनएफएसए कार्ड धारकों को प्रति परिवार 1 किलो चना

राज्य के 3.37 करोड़ अंत्योदय एवं पीएचएच कार्ड धारकों को उत्तरायण पर मुख्यमंत्री की भेंट

क्रांति समय दैनिक

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के 69.42 लाख राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थी अंत्योदय परिवारों के 3.37 करोड़ नागरिकों को उत्तरायण के अवसर पर महत्वपूर्ण भेंट दी है। मुख्यमंत्री ने राज्य मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में यह संवेदनशील निर्णय किया है कि राज्य के 8.11 लाख अंत्योदय कार्ड धारक परिवारों तथा 61.31 लाख प्राथमिकता वाले परिवार यानी पीएचएचराशन कार्ड धारकों सहित कुल मिलाकर 3.37 करोड़ लोगों को प्रति परिवार 1 किलो चना निःशुल्क वितरित किया जाएगा। इस निःशुल्क चने का ऐसे लाभार्थी परिवारों को फरवरी महीने के उनके नियमित मिलने वाले अनाज के साथ वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना संक्रमण के काल में कोई भूखा न सोए उस संवेदना के साथ अब तक राज्य के 5.30 करोड़ लोगों को 12.50 लाख मीट्रिक टन अनाज निःशुल्क वितरित कराया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने शहरों और गांवों में रिक्शा एवं छोटे टैंपो जैसे तिपहिया वाहन चलाकर आजीविका कमाने वाले छोटे वर्गों को भी कोरोना काल के दौरान एनएफएसए का लाभ प्रदान करने की संवेदना दिखाई है। रूपाणी ने अब मकर संक्रांति के त्यौहार में भी अंत्योदय एवं एनएफएसए परिवारों के साथ खड़े रहने की गरीब कल्याण की प्रतिबद्धता के साथ ऐसे 3.37 करोड़ लोगों को प्रति परिवार 1 किलो चना निःशुल्क प्रदान करने की संवेदना दर्शाई है। मुख्यमंत्री ने राज्य के किसानों को उनकी खेत उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके ऐसे उदार भाव के साथ तुअर, चना और सरसों जैसे उत्पाद भी गुजरात राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्णय मंत्रिमंडल की बैठक में किया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री जयेशभाई रादड़िया ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय तथा अंत्योदय परिवारों को निःशुल्क 1 किलो चना वितरण करने के निर्णय की जानकारी दी।

रादड़िया ने इस संदर्भ में कहा कि राज्य में 105 खरीद केंद्रों से 6 हजार रूपए प्रति क्विंटल की दर पर तुअर की खरीदी सरकार करेगी। इस खरीदी के लिए किसानों को वीसीई, एपीएमसी के मार्फत 15 जनवरी से 31 जनवरी के दौरान पंजीयन कराना होगा। तुअर दाल की खरीदी निर्धारित किए गए एपीएमसी केंद्रों से आगामी १ फरवरी, 2021 से 90 दिनों तक यानी कि 1 मई, 2021 तक की जाएगी। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने चना तथा सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीदी के संबंध में कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि चना 5100 रूपए प्रति क्विंटल की कीमत पर राज्य के कुल 188 खरीद केंद्रों पर तथा सरसों 4650 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर 99 खरीद केंद्रों से खरीदना निर्धारित किया गया है। इसके लिए पंजीयन वीसीई या एपीएमसी के मार्फत 01-02-2021 से 15-02-2021 के दौरान किया जाएगा। चने और सरसों की खरीदी 16-02-2021 से 16-05-2021 तक यानी 90 दिनों तक निर्धारित किए गए एपीएमसी खरीद केंद्रों से की जाएगी। रादड़िया ने कहा कि गुजरात राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से राज्य के कुल 1,08,772 किसानों से 1060 करोड़ रूपए की मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी पूरी हो गई है।

इसमें से 928 करोड़ रूपए का भुगतान किसानों को किया गया है।

वहीं, 128 करोड़ रूपए की धान की खरीदी हुई है और 104 करोड़ रूपए का भुगतान किसानों को किया गया है।

यह रकम सीधे किसानों के बैंक खाते में जमा कराई गई है।

पुत्र प्राप्ति की विधि के बहाने धर्म गुरुने किया विवाहिता से दुष्कर्म

क्रांति समय दैनिक

अमरेली जिले सावरकुंडला में रहनेवाली एक विवाहित महिला के साथ उसके समाज के धर्मगुरुने पुत्र प्राप्ति की विधि के बहाने एक नहीं कई दफा दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर सावरकुंडला पुलिस ने बलात्कार के केस दर्ज कर आरोपी धर्म गुरुको गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। अमरेली जिले की सावरकुंडला में 24 वर्षीय विवाहित महिला परिवार के साथ रहती है। महिला के संतान में बेटियां हैं और उसकी पुत्र प्राप्त की इच्छा थी। महिला का परिवार उसके समाज के धर्म गुरुका काफी सम्मान करते थे। जिससे महिला ने धर्म गुरुसे पुत्र प्राप्ति की इच्छा व्यक्त की। धर्म गुरु ने विवाहिता को अपने घर बुलाया और उससे कहा कि गुप्त विधि करनी होगी, जिसके उसे नग्न होना पड़ेगा। धर्म गुरु कहने पर महिला निर्वस्त्र हो गई। महिला के निर्वस्त्र होते ही धर्म गुरुने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुत्र प्राप्ति की विधि के बहाने धर्म गुरुने एक बार नहीं कई दफा विवाहिता को अपनी हवस का शिकार बनाया।

विवाहिता ने जब जब इसका विरोध किया तब धर्म गुरु ने उसकी बेटियों का मार देने की धमकी देकर सके साथ दुष्कर्म करता रहा। आखिरकार तंग आकर पीडिता ने सावरकुंडला पुलिस थाने में धर्म गुरु के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी धर्म गुरुको गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

गुजरात एसटी को मिला ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स रोड सेफ्टी अवार्ड-2019-20 और 2020-21

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद ,एक और अध्याय गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी निगम) को मिले ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स रोड सेफ्टी अवार्ड 2019-20 और 2020-21 के रूप मं् जुड़ा है। इसके अंतर्गत केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के हाथों विजेता ट्रॉफी तथा 2 लाख रूपए का पुरस्कार एसटी निगम को नई दिल्ली में आगामी सोमवार, 18 जनवरी को आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के एसोसिएशन ऑफ स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग की ओर से गुजरात एसटी निगम को लगातार तीसरी बार इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व 2018-19 का ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर्स रोड सेफ्टी अवार्ड भी गुजरात एसटी निगम को प्राप्त हुआ है। अब, 2019020 और 2020-21 के अवार्ड के साथ गुजरात एसटी निगम ने इस प्रतिष्ठित अवार्ड को हासिल करने की हैट्रिक जमाई है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, परिवहन मंत्री आर.सी. फलदू तथा राज्य मंत्री ईश्वरसिंह पटेल ने गुजरात एसटी निगम के कर्मचारियों को इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए बधाई दी है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में नागरिक उन्मुख सेवाओं और सरकार के विभिन्न विभागों के कामकाज की सीधी निगरानी के लिए विकसित किए गए सीएम डैशबोर्ड के जरिए एसटी सेवाओं की लगातार निगरानी की जाती है। जिसके अनुसार ओवर स्पीडिंग वाली बस सेवाओं की प्रत्यक्ष जानकारी सीएम डैशबोर्ड को मिलते ही उस पर नियंत्रण किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण निगरानी के चलते एसटी बसों की दुर्घटना में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जो अंततः यात्री सुरक्षा का द्योतक बनी है। देशभर के परिवहन निगमों में गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम ने प्रति 1 लाख किलोमीटर पर सुरक्षित और सलामत तथा न्यूनतम दुर्घटना के साथ संचालन कर 7500 फ्लीट सर्विस की श्रेणी में यह अवार्ड हासिल किया है। राज्य में प्रति 1 लाख किलोमीटर होने वाली ऐसी दुर्घटना की दर सबसे कम यानी कि 0.06 रही है। गुजरात एसटी निगम मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और राज्य मंत्री के मार्गदर्शन में प्रभावी यात्री उन्मुख सेवाओं के साथ रोजाना 34 लाख किलोमीटर के संचालन से करीब 25 लाख बस यात्रियों को परिवहन सेवा मुहैया कराती है। उल्लेखीय है कि गुजरात को यह अवार्ड सड़क परिवहन निगमों की पुरानी दुर्घटनाओं की जानकारी और दर के विश्लेषण के बाद तथा सलामत व सुरक्षित ड्राइविंग की रणनीति के सफल कार्यान्वयन से प्राप्त हुआ है।

कोरोना महामारी के समय में भी एसटी निगम के कर्मयोगियों ने मार्च-2020 से अक्टूबर-2020 की अवधि के दौरान 22,953 फेरों के जरिए लगभग 6.99 लाख श्रमिकों को स्टेशन पहुंचाने तथा कोरोना वॉरियर कर्मियों तथा अन्य राज्यों के व्यक्तियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने में अविरत सेवा दी थी। गुजरात में पिछले एक दशक 2009-10 से 2019-20 तक ऐसी दुर्घटनाओं की दर 0.11 से घटकर काफी नीचे 0.06 हो गई है। गुजरात एसटी निगम की ओर से सलामत और सुरक्षित ड्राइविंग की जो रणनीति क्रियान्वित की गई है उसमें ओपन हाउस के जरिए दैनिक स्तर पर सेफ्टी मीटिंग, सेफ्टी के लिए मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति, ड्राइवरों की दृष्टि, ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल की नियमित अंतराल पर मेडिकल चेकअप, ट्रेनिंग के आयोजन में ड्राइवरों में अनुशासित ड्राइविंग की वृत्ति को प्रोत्साहन दिया जाता है। इतना ही नहीं, ओवरस्पीडिंग यानी तेज रफ्तार और मैकेनिकल ब्रेकडाउन जैसे परिमाणों की एसटी निगम के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के मार्फत लगातार निगरानी की जाती है। जिस डिपो की दुर्घटना की संख्या और फेटल यानी गंभीर दुर्घटना शून्य हो उसके लिए मोटिवेशनल सर्टिफिकेट और इंसेटिव दिया जाता है।

गुजरात एसटी ने लगातार तीसरे साल यह अवार्ड प्राप्त कर लगाई हैट्रिक

वृद्ध ने शरीर में आग लगाकर पांचवीं मंझिल से लगाई छलांग, अस्पताल में मौत

क्रांति समय दैनिक अहमदाबाद,शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में आत्महत्या की अजीबोगरीब घटना सामने आई है। जिसमें एक वृद्ध ने पहले शरीर में आग लगाई और बाद में पांचवीं मंझिल से छलांग लगा दी। इस घटना से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं, खासकर वह लोग जिन्हों ने इसे अपनी आंखों से देखा है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र के समर्पण टावर में जयप्रकाश अपने परिवार के साथ रहते थे। समर्पण टावर की पांचवीं मंझिल पर रहनेवाले 65 वर्षीय जयप्रकाश के परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। निवृत्त जीवन बिता रहे जयप्रकाश की दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। ठंड के बीच आज सुबह लोग जब गहरी नींद में सो रहे थे, तब जयप्रकाश ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले जयप्रकाश ने अपने शरीर में आग लगाई और उसके बाद पांचवीं मंझिल से नीचे छलांग लगा दी। पूरी घटना सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जयप्रकाश से इस कदम से स्तब्ध लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और उनके शरीर पर पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पाकर पुलिस और फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और जयप्रकाश को तुरंत एम्ब्युलैंस 108 में अस्पताल पहुंचाया। जहां वृद्ध ने दम तोड़ दिया।

सार–समाचार

राज्य सरकार का स्कूल-कॉलेजों में 6616 भर्तियों का फैसला - शिक्षा मंत्री

क्रांति समय दैनिक अहमदाबाद, शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा ने कहा कि राज्य के उच्च शिक्षा तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार अवसर मुहैया कराकर करियर निर्माण के लिए कुल मिलाकर 6616 नई भर्ती करने का राज्य सरकार ने निर्णय किया है। शिक्षा मंत्री ने इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार ने युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक रोजगार उपलब्ध कराने के साथ शिक्षा सुविधाओं का दायरा बढ़ाने के उदार भाव से इस नई भर्ती का निर्णय किया है। भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा ने इस निर्णय की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि राज्य के गैर सरकारी अनुदानित कॉलेजों में केंद्रीकृत तरीके से 927 अध्यापक सहायकों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के कॉलेजों में विभिन्न 44 विषयों के लिए 927 अध्यापक सहायकों की सेवाएं इस भर्ती प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद मिलने लगेंगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अध्यापक सहायकों की इस भर्ती के लिए 20 जनवरी, 2021 तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। भर्ती की अधिक जानकारी **www.rascheguj.in** वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। चूड़ास्मा ने कहा कि इसके साथ ही राज्य के गैर सरकारी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में कुल 5700 शिक्षा सहायकों की भर्ती राज्य सरकार करेगी। जिसके अनुसार, नए गैर सरकारी अनुदानित उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में 3382 और नए गैर सरकारी अनुदानित माध्यमिक स्कूलों में 2307 शिक्षा सहायकों की नियुक्तिकी जाएगी। शिक्षा मंत्री ने राज्य के गैर सरकारी अनुदानित उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में होने वाली 3382 शिक्षा सहायकों की भर्ती का ब्यौरा देते हुए कहा कि इसके अंतर्गत अंग्रेजी विषय के लिए 624, लेखाकर्म और वाणिज्य विषय के लिए 446, समाजशास्त्र विषय के लिए 334, अर्थशास्त्र विषय के लिए 276, गुजराती विषय के लिए 254 तथा अन्य विषयों के शिक्षा सहायकों की भर्ती की जाएगी। उसी तरह गैर सरकारी अनुदानित माध्यमिक स्कूलों में गणित एवं विज्ञान विषय के लिए 1037, अंग्रेजी विषय के लिए 442, सामाजिक विज्ञान विषय के लिए 289, गुजराती विषय के लिए 234 तथा अन्य विषयों समेत कुल 2307 शिक्षा सहायकों की भर्ती की जाएगी। शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी आयोजन में कुल मिलाकर इन नए 6616 नए पदों पर युवा शिक्षा सहायकों के उपलब्ध होने से शिक्षा के क्षेत्र में कुशल मानवबल राज्य के विद्यार्थियों के करियर निर्माण में योगदान देगा।

बैंक लॉकर से चोरी हुए 16 लाख के आभूषणों की एफआईआर 11 महीने बाद दर्ज

अहमदाबाद, शहर के नवरंगपुरा क्षेत्र स्थित आईडीबीआई बैंक के लॉकर से पिछले साल 16 लाख रूपए कीमत के आभूषणों की चोरी हो गई थी।

11 महीनों के बाद चोरी के इस मामले की नवरंगपुरा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। चोरी करने वाले अज्ञात शख्स ने देवी माता की तस्वीर और रु 101 लॉकर में रख दिए थे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस प्लेन की विशेषता यह होगी कि यह एयरपोर्ट के साथ ही पानी पर भी उतर सकेगा

गोरखपुर के रामगढ़ ताल में उतारेंगे सी प्लेन : योगी

गोरखपुर (एजेंसी)।

गोरखपुर में रोड और एयर कनेक्टिविटी की मजबूत हो रही सुविधाओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर महोत्सव के मंच से एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने गोरखपुर के रामगढ़ ताल में सी प्लेन उतारने का ऐलान करते हुए कहा कि जल्द ही इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस प्लेन की विशेषता यह होगी कि यह एयरपोर्ट के साथ ही पानी पर भी उतर सकेगा। बुधवार को दो दिवसीय गोरखपुर महोत्सव 2021 के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कि गोरखपुर से आज देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए 9 फ्लाइट हैं, कुशीनगर से जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू हो जाएगी। आने वाले दिनों में यदि किसी को आवश्यकता पड़ेगी तो वह सर्किट हाउस के पास से सी प्लेन पकड़कर देश के किसी भी कोने में पहुंच जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि कोरोना से लड़ने और बचने के लिए जिस संयम, मर्यादा और अनुशासन का पालन किया गया, उसी तरह का धैर्य रखते हुए कोरोना वैक्सीन के लिए अपनी बारी का इंतजार करें। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के बाद 16 जनवरी से कोरोना पर अंतिम प्रहार के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में कोरोना वैक्सीनेशन का महाभियान प्रारंभ हो रहा है। सभी के लिए इसकी सुविधा होगी, लेकिन वैक्सीन के लिए उतावलापन न दिखाएं, भीड़ न लगाएं, बल्कि संयम के साथ अपनी बारी की प्रतीक्षा करें। गोरखपुर महोत्सव के मंच से मुख्यमंत्री ने एक बार फिर ओडीओपी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल की परिकल्पना को साकार करने का आधार बताया। उन्होंने बताया कि यूपी की स्थापना का नोटिफिकेशन 24 जनवरी, 1950 को हुआ था लेकिन पहली बार यूपी दिवस उनकी सरकार ने 2018 से मनाना शुरू किया। पहले ही वर्ष के समारोह में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना शुरू की गई और हर जिले में इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिला। योगी ने कहा कि गोरखपुर में रेडीमेड गारमेंट का हब बनने की पूरी क्षमता है। इसके लिए प्रदेश सरकार पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि खाद व अन्य लोकल प्रोडक्ट स्वदेशी के जरिये आत्मनिर्भरता का माध्यम बनने में सक्षम हैं।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के चिड़ियाघर को प्रदेश का सबसे खूबसूरत चिड़ियाघर बनाने के साथ ही तारामंडल क्षेत्र में इसी वर्ष एक विशाल ऑडिटोरियम का सौगात देने की भी घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में सीआरपीएफ के दल पर ग्रेनेड से हमला, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर। आतंकवादियों ने यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल(सीआरपीएफ) के एक दल पर ग्रेनेड से हमला किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हमला रैनवारी क्षेत्र में हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ग्रेनेड बिना किसी को नुकसान पहुंचाए सड़क पर फटा। आतंकवादियों की तलाश के लिए क्षेत्र में छापेमारी की जा रही है।

गोवा वैक्सीनेशन ड्राइव के लिए तैयार, 2350 शीशियां स्टोरेज में

पणजी। गोवा कोविड -19 वैक्सीन की पहली खुराक देने के लिए कमर कस रहा है। यहां बुधवार को मुंबई से एक विशेष उड़ान से वैक्सीन की 23,500 शिशियां लाई गई हैं। वर्तमान में 23,500 शॉट्स युक्त 2,350 शीशियों को एक सुरक्षित कोल्ड फैसिलिटी में संग्रहीत किया गया है और टीकाकरण दिवस से 24 घंटे पहले गोवा भर में अधिसूचित स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाया जाएगा। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि निजी और सरकारी सुविधाओं दोनों से कम से कम 19,000 स्वास्थ्य कर्मचारियों को पहले दौर में टीकाकरण के लिए प्राथमिकता दी गई है। सावंत ने बुधवार को ट्वीट कर कहा, गोवा ने बुधवार सुबह, कोविड -19 वैक्सीन की 23,500 शॉट्स के साथ 2,350 शीशियां प्राप्त की हैं। अधिकारियों द्वारा उचित रूप से टीकों को संग्रहित किया जा रहा है, और टीकाकरण दिवस से पहले सभी केंद्रों पर 24 घंटे पहले वितरित किए जाएंगे। गोवा सरकार ने कोविड-19 टीकाकरण अभियान के लिए पांच सरकारी और तीन निजी अस्पतालों की पहचान की है, जो 16 जनवरी से शुरू होने वाले हैं।

यूपी कांग्रेस नेता का अपमानजनक वीडियो विवादों में घिरा

लखनऊ। यूपीसीसी अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने एक वीडियो के बाद बुलंदशहर के जिला अध्यक्ष के रूप में कुंवर तौकीर अली की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अली को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है। वीडियो कांग्रेस के विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों पर चक्कर काट रहा है, जिससे पार्टी में रोष है। 8 जनवरी को अपने पद पर नियुक्त किए गए तौकीर अली को पार्टी आलाकमान के खिलाफ अपमानजनक और गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना गया। पार्टी के नेता अब उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं, जिन्होंने अली को पद पर नियुक्त किया था। यूपीसीसी के एक पूर्व अध्यक्ष ने कहा, नियुक्ति पर रोक लगाना कोई कार्रवाई नहीं है। राज्य नेतृत्व को तुरंत अली को निष्कासित करना चाहिए और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। इस तरह का व्यवहार अप्रत्याशित है और इससे बहुत सख्ती से निपटा जाना चाहिए। पिछले साल पार्टी से निकाले गए युवा कांग्रेस नेताओं के एक समूह ने कहा, हमें बिना किसी स्पष्ट कारण के निष्कासित कर दिया गया, लेकिन तौकीर अली जैसे लोगों को हमारे राज्य के नेताओं द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है। उनके खिलाफ अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्हें वीडियो में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना गया है, उसके लिए उन्हें निष्कासित और गिरफ्तार किया जाना चाहिए था।

नायडू ने भोगी अलाव में आंध्र सरकार के आदेश की प्रतियां जलाई

अमरावती, संक्रांति पर्व को एक राजनीतिक रंग देते हुए, तेदेपा प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश सरकार के आदेशों की कुछ प्रतियां भोगी अलाव में जला दीं। तेलुगू देशम पार्टी के एक बयान के अनुसार, नायडू ने कृष्णा जिले के परिताला में भोगी कार्यक्रम में भाग लिया। लोगों ने जगन मोहन रेड्डी सरकार के जनविरोधी, किसान विरोधी आदेश की प्रतियां जलाई। नायडू ने भी उनका साथ दिया। भोगी पर पुरानी लकड़ी को जलाने की प्रथा है। आयोजन में बड़ी संख्या में तेदेपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। नायडू का वहां कुछ पुजारियों ने स्वागत किया। नायडू ने दावा किया कि चक्रवात, भारी बारिश और बाढ़ के बाद किसानों को नुकसान हुआ है, लेकिन सरकार ने उन्हें राहत प्रदान नहीं की।

बिहार : प्रभारी की बैठकों से दूर रहे कांग्रेस के कई दिग्गज

पटना (एजेंसी)।

बिहार में कांग्रेस के नए प्रभारी भक्त चरण दास अपने तीन दिवसीय दौरे के क्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर राज्य में पार्टी को मजबूत करने और खोई प्रतिष्ठा वापस लाने का दावा कर दिल्ली वापस चले गए। लेकिन, उनकी बैठकों में प्रदेश के दिग्गज नेताओं की अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। दास ने अपने तीन दिवसीय बिहार दौरे के क्रम में कांग्रेस के करीब सभी इकाईयों के नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने पार्टी के विधायक, सांसदों और विधानसभा चुनाव में हारे प्रत्याशियों से भी मुलाकात कर पार्टी की राज्य में स्थिति और समस्याओं को जानने की कोशिश की। वैसे, इन बैठकों में राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह और वरिष्ठ नेता सदानंद सिंह जैसे कई दिग्गजों की गैरहाजिरी संगठन में गुटबाजी को हवा दे दी है। कांग्रेस के एक नेता भी नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर कहते हैं कि प्रभारी के समक्ष बैठकों में हंगामा, धक्का मुक्की क्या पार्टी में गुटबंदी को परिलक्षित नहीं करता। उन्होंने तो यहां तक कहा कि टिकट बंटने में जो खरीद फरोख्त हुई है, उससे कांग्रेस पूरी तरह प्रभावित हुई है। इधर, पार्टी के वरिष्ठ नेता सदानंद सिंह से जब इस संबंध में आईएएनएस ने बात की तो उन्होंने कहा कि वे पटना में नहीं हैं। प्रभारी के आने की सूचना उन्हें देर

से मिली। उन्होंने हालांकि यह भी माना कि प्रदेश में कांग्रेस कमजोर हुई है।

विधानसभा चुनाव में हारे हुए कई प्रत्याशी भी प्रभारी से मिलने नहीं पहुंचे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधान पार्षद प्रेमचंद्र मिश्रा भी कहते हैं कि, यह कोई जरूरी नहीं की सभी बैठक में सभी नेता आ ही जाएं। उन्होंने कहा कि कई नेता पटना में नहीं होंगे। यह कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि जितने लोग पटना में थे, सभी पहुंचे।

केंद्र मुफ्त में वैक्सीन नहीं देगा तो हम मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे : केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार दिल्ली में कोरोना वैक्सीन निशुल्क उपलब्ध कराएगी। कोरोना वैक्सीन मुफ्त में उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली ने केंद्र सरकार से भी अनुरोध किया है। दिल्ली सरकार के मुताबिक फिलहाल वह केंद्र सरकार के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। केंद्र सरकार यदि कोरोना वैक्सीन मुफ्त उपलब्ध नहीं कराती है तो फिर दिल्ली सरकार अपनी ओर से निशुल्क कोरोना वैक्सीन देने की योजना तैयार करेगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, हमने केंद्र सरकार से पूरे देश के लोगों को मुफ्त में वैक्सीन देने की अपील की है, अगर केंद्र सरकार मुफ्त में वैक्सीन नहीं देती है और अगर जरूरत पड़ती है, तो हम दिल्ली के लोगों को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे। कोरोना वैक्सीन को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि 16 जनवरी से दिल्ली में वैक्सीन लगनी चालू हो जाएगी। सबसे पहले कोरोना योद्धा, जो स्वास्थ्यकर्मी हैं, उनको वैक्सीन दी जाएगी, उसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन दी जाएगी। मैं उम्मीद करता हूं की पिछला एक साल जो बहुत ही तकलीफ में गुजरा है, वैक्सीन के आने से लोगों को राहत मिलेगी और कोरोना से सब लोगों को छुटकारा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं सभी लोगों से अपील करना चाहता हूं कि कोरोना वैक्सीन के बारे में कोई भ्रांति न फैलाई जाए।

इस साल मायावती के जन्मदिवस पर नहीं होगा कोई समारोह

लखनऊ (एजेंसी)।

पार्टी अध्यक्ष मायावती के 65 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में इस वर्ष बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के कार्यालय में कोई समारोह, कोई केक-कटिंग और कोई भव्य भोजन नहीं होगा। पार्टी सूत्रों ने कहा कि मायावती ने इस साल अपना जन्मदिन कई कारणों से नहीं मनाने का फैसला किया है, जिसमें पिछले साल नवंबर में पिता का निधन, कोविड महामारी और किसान आंदोलन शामिल है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को 15 जनवरी को आत्मसंयम के दिन के रूप में मनाने और गरीबों के बीच कपड़े और कंबल वितरित करने को कहा है। श्रमिकों को कंबल, कपड़े वितरित करने और यदि संभव हो तो, जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता देने के लिए कहा गया है। पार्टी के वरिष्ठ सदस्य विभिन्न जिलों में कार्यों की देखरेख करेंगे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा, इस साल पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ा बदलाव होगा, जब मायावती का जन्मदिन बड़े पैमाने पर मनाया जाता था। केक हर जिले में काटे जाते थे और केक का वजन उनकी उम्र से मेल खाता था। इस साल जन्मदिन पर मायावती के लखनऊ आने की संभावना नहीं है।

अदालत ने तृणमूल के पूर्व सांसद को 16 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व राज्यसभा सांसद के.डी. सिंह को 16 जनवरी तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंह को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में गिरफ्तार किया। सिंह 2014 में तृणमूल कांग्रेस की ओर से राज्यसभा सदस्य बने थे। उनका कार्यकाल पिछले साल अप्रैल में समाप्त हो गया था। तृणमूल नेताओं ने दावा किया है कि उनका लंबे समय से सिंह से कोई संपर्क नहीं रहा है। इस गिरफ्तारी को इस साल के अंत में होने वाले बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। सितंबर 2019 में ईडी ने 1,900 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अल्केमिस्ट इन्फ्रा रियल्टी एलएलसी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच में सिंह के परिसरों पर तलाशी ली थी। ईडी ने 18 मार्च, 2016 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा दायर अभियोजन शिकायत के आधार पर अल्केमिस्ट इन्फ्रा रियल्टी एलएलसी, सिंह और अन्य से संबंधित एक कंपनी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। इसके बाद जनवरी 2019 में ईडी ने समूह की 239 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क किया था। ईडी की जांच में पता चला है कि विभिन्न निवेशकों से अल्केमिस्ट इंफ्रा रियल्टी लिमिटेड द्वारा जुटाए गए धन का उपयोग उस उद्देश्य के लिए कभी नहीं किया गया, जिसके लिए उन्हें एकत्र किया गया था। ईडी के एक अधिकारी ने हाल ही में बताया था कि इस फंड को अन्य समूह कंपनियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किया गया था, जो मुख्य रूप से कागजी कंपनियां थीं। आरोपी ने देश के विभिन्न स्थानों पर संपत्ति खरीदने के लिए इस धन का इस्तेमाल किया।

हरियाणा में बीजेपी का साथ नहीं छोड़ेगी जेजेपी- पीएम मोदी से मिले दुष्यंत चौटाला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

किसान आंदोलन के बीच जननायक जनता पार्टी के नेता और हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीएमओ में भेंट की। प्रधानमंत्री मोदी से करीब एक घंटे तक चली बैठक के बाद दुष्यंत चौटाला बगैर मीडिया से बात किए चंडीगढ़ रवाना हो गए। इस बैठक में किसानों के मुद्दे, सुप्रीम कोर्ट के फैसले सहित हरियाणा के कुछ विकास प्रोजेक्ट पर दुष्यंत ने प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की। इससे पूर्व मंगलवार की रात गृहमंत्री से मुलाकात के बाद दुष्यंत चौटाला ने स्पष्ट कहा था कि हरियाणा में बीजेपी-जेजेपी की सरकार चलती रहेगी। दरअसल, हरियाणा में भाजपा की सहयोगी जननायक जनता पार्टी के कुछ नेता किसान आंदोलन का समर्थन कर चुके हैं। किसान नेताओं की ओर से लगातार दुष्यंत चौटाला और उनकी जननायक जनता पार्टी(जेजेपी) पर भाजपा की गठबंधन सरकार से समर्थन वापसी का दबाव डाला जा रहा है। ऐसे में हरियाणा सरकार को लेकर अटकलें जारी हैं। इस कड़ी में बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दुष्यंत चौटाला को साथ लेकर गृहमंत्री अमित शाह से नार्थ ब्लॉक में भेंट की थी। जिसके बाद दोनों नेताओं ने सभी अटकलों को विराम देते हुए कहा था कि बीजेपी-जेजेपी सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। गृहमंत्री से मुलाकात के अगले दिन बुधवार को दुष्यंत चौटाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दोपहर 12 बजे भेंट की। करीब एक घंटे तक चली बैठक के बाद जेजेपी के एक नेता ने आईएएनएस को बताया कि दुष्यंत चौटाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरियाणा में किसान आंदोलन के प्रभाव का फीडबैक दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की मुख्य मांग एमएसपी को लेकर है। हरियाणा सरकार ने किसानों को आश्वासन दिया है कि एमएसपी पर किसी तरह की आंच नहीं आने दी जाएगी। केंद्र सरकार के स्तर से भी एमएसपी को लेकर ठोस आश्वासन किसानों को मिलना चाहिए, ताकि उनकी शंकाएं दूर हों। सूत्रों के मुताबिक दुष्यंत चौटाला ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि सियासी गलियारे में भले ही तमाम अटकलें लग रही हैं लेकिन उनकी पार्टी खट्टर सरकार का समर्थन जारी रखेगी। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने टेक्सटाइल हब, रेलवे रूट और ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को लेकर भी प्रधानमंत्री मोदी से बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान हरियाणा के विकास के लिए केंद्र सरकार के स्तर से हर प्रकार की सहायता का आश्वासन दिया।

जम्मू-कश्मीर में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 23 गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर के एक रैकेट का भंडाफोड़ किया, जिसमें 23 लोग गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने इसकी जानकारी बुधवार को दी पुलिस ने कहा कि साइबर अपराध रोकथाम विंग ने उन 23 लोगों को गिरफ्तार किया था, जो अंतर्राष्ट्रीय कॉल सेंटरों के माध्यम से मासूम लोगों को ठगने का काम करते थे। इन घोटालेबाजों ने तकनीकी सहायता के अधिकारियों, बीमा एजेंटों, कानून-प्रवर्तन अधिकारियों, बैंक अधिकारियों, ऑनलाइन शॉपिंग साइटों के अधिकारियों आदि के रूप में खुद की पहचान बताकर विदेशों में रहने वाले लोगों को ठगते थे। साइबर पुलिस स्टेशन कश्मीर-श्रीनगर जोन ने विशेष सूचना के आधार पर फेक कॉल सेंटरों पर छापेमारी की। पुलिस ने कहा कि श्रीनगर जिला पुलिस के सहयोग से कई टीमों ने रंगरेथ, करफाली मोहल्ला, हब्बाकदल और श्रीनगर के नतीपोरा इलाकों में कई छापे मारे और इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। फेक

कॉल सेंटर सिक्योर टेक, रंगरेथ, श्रीनगर, वाईएसएस माइक्रो टेक्नोलॉजीज, रंगरेथ और वेरटेक्स टेक्नोलॉजी, करफाली मोहल्ला, श्रीनगर के नाम और पते के तहत चल रहे थे। पुलिस ने कहा कि इस तरह के फेक कॉल सेंटर पहले केवल बड़े शहरों तक ही सीमित थे, लेकिन देशभर में चल रहे थे। एक बड़ी चिंता यह थी कि आकर्षक वेतन पैकेज के लालच के कारण युवा छात्र ऐसे अपराध लिप्त हो रहे हैं।

मुरैना शराब कांड

कलेक्टर व एसपी हटाए गए, एसडीओपी निलंबित, एसआईटी गठित

भोपाल (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इस हादसे खफा सरकार ने कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक का तबादला कर दिया गया है। वहीं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओ,पी) को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई है। मुंख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को अपने आवास पर उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुरैना की घटना अमानवीय और तकलीफ पहुंचाने वाली है। प्रदेश में मिलावट के विरुद्ध अभियान संचालित है, फिर भी यह दुखद घटना हुई। मुख्यमंत्री चौहान ने इस मामले में मुरैना के कलेक्टर और एस.पी. को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित क्षेत्र के एसडीओपी को निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। आबकारी अधिकारी को पूर्व में ही निलंबित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपी जाए। इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। अन्य जिले भी सजग रहें। ऐसे मामलों में कलेक्टर, एसपी जिम्मेदार माने जाएंगे। दोषी अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा, ऐसी घटना पर मैं मूकदर्शक नहीं रह सकता। ड्रग माफिया के विरुद्ध सख्त अभियान जारी रहे। पूरे प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चले। अवैध शराब बिक्री पर पूरा नियंत्रण हो। ऐसा व्यापार करने वालों को ध्वस्त किया जाए। मुख्यमंत्री चौहान ने पुलिस महानिदेशक से घटना की विस्तृत जानकारी ली। मुरैना जिले में हुई घटना में उपयोग में लाई गई मिलावटी शराब के निर्माण केंद्र और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ ही संबंधित डिस्टलरी की जांच के निर्देश भी दिए गए। मुख्यमंत्री ने आबकारी और पुलिस अमले की पद-स्थापना में निश्चित समयावधि के बाद परिवर्तन करने के साथ निर्देश दिए हैं कि डिस्टलरी के लिए पदस्थ आबकारी अमले और ओआईसी को ओवर टाइम दिए जाने की व्यवस्था में भी परिवर्तन किया जाए।

ज्ञात हो कि सोमवार की रात जिले के दो गांवों में शराब पीने से लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। शराब पीने से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 15 लोग बीमार हैं, जिनका मुरैना के अस्पताल और ग्वालियर के अस्पताल में इलाज जारी है। इस घटना के विरोध में मृतकों के परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया और रोष जाहिर किया। इस मामले में आबकारी अधिकारी के अलावा थाना प्रभारी और दो अन्य पुलिस कर्मियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। बैठक में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, वाणिज्यिक कर एवं वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव (गृह) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव (वाणिज्यिक कर) दीपाली रस्तोगी मौजूद थे। वहीं गृह विभाग ने मुरैना जहारीली शराब कांड की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)